VISIONIAS

www.visionias.in

PT 365

Classroom Study Material

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

JULY 2015 – APRIL 2016

NOTE: May 2016 and June 2016 current affairs for PT 365 will be updated on our website on second week of July 2016.

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

विषय सूची

A. भारत और विश्व *6*

A.1 भारत और मध्य एशिया 6

A.2 भारत एवं बांग्लादेश 6

A.3 भारत- ऑस्ट्रेलिया 7

A.4 भारत – अफ़ग़ानिस्तान 7

A.5 भारत और यूएई 8

A.6 भारत - ईरान 8

A.7 भारत - सऊदी अरब 9

A.8 भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका 9

A.9 भारत और सेशेल्स 10

A.10 भारत-चीन 11

A.11. भारत-CLMV शिखर सम्मेलन 11

A.12. जयपुर शिखर सम्मेलन: भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (FIPIC) 11

A.13 भारत – श्रीलंका 12

A.14 भारत-अफ्रीका 12

A.15 भारत-जर्मनी 12

A.16. भारत और इब्सा 12

A.17 तेरहवाँ भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 13

A.18 भारत–मालदीव 14

A.19. भारत-पापुआ न्यू गिनी 14

A.20 भारत-पाकिस्तान 14

A.21 अश्गाबात समझौता 17

A.22 भारत-पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका 17

A.23 चौथा भारत-अफ्रीका हाइड्रोकार्बन सम्मेलन 18

A.24 प्रथम भारत-अरब मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 18

A.25 भारत-वियतनाम 18

A.26 रायसीना संवाद 19

B. अंतर्राष्ट्रीय संगठन/संस्थान *20*

B.1 शंघाई सहयोग संगठन (SCO) 20

B.2 ब्रिक्स 20

VISION IAS

B.3. यूरेशियन आर्थिक संघ 21
B.4. परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) 22
B.5. परमाणु अप्रसार संधि (NPT) 22
B.6. व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT) 22
B.7. मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था 23
B.8. वासेनार व्यवस्था 23
B.9 ऑस्ट्रेलिया समूह 24
B.10 चतुर्थ नाभिकीय सुरक्षा सम्मेलन (NSS) 24
B.11 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार 24
B.12 जी-20 शिखर वार्ता 2015 25
B.13 APEC शिखर सम्मेलन, 2015 25
B.14. नाभिकीय क्षति के लिए अनुपूरक क्षतिपूर्ति (CSC) 26
B.15 खाड़ी सहयोग परिषद (GULF COOPERATION COUNCIL) 26
B.16 विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) 27
B.17 यूरो 27
B.18 पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक OPEC) 27
B.19 अरब लीग 28
B.20 इस्लामी सहयोग संगठन 28
B.21 बिम्सटेक (BIMSTEC) 29
B.22 मेकांग-गंगा सहयोग (MGC) 29
B.23 हिंद महासागर रिम संघ (The Indian Ocean Rim Association) 29
B.24 सार्क (SAARC) 30
B.25 आसियान 31
B.26 पूर्वी एशिया शिखर सम्मलेन 31
B.27 आसियान क्षेत्रीय मंच 31
B.28. जी-7 32
B.29 संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 32
B.30 WOMEN-20 32
B.31 एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) 33
B.32. अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिषद 33
B.33. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् 34

VISION IAS

B.34. सागरीय विधि पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS) 34
B.35. समुद्री कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण (आईटीएलओएस) 35
B.36. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) सुधार 35
C. अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम *37*
C.1. ईरान परमाणु समझौता 37
C.2. चीन - पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना 37
C.3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क 37
C.4 म्यांमार में लोकतांत्रिक परिवर्तन 37
C.5. नेपाल में प्रथम लोकतांत्रिक संविधान अंगीकृत 38
C.6 नैनिंग-सिंगापुर आर्थिक गलियारा 38
C.7 सतत विकास लक्ष्य (SDGs) 38
C.8 यूनेस्को पुरस्कार 39
C.9 व्हाइट हाउस पदक 39
C.10 द्वितीय विश्वयुद्ध में विजय के उपलक्ष्य में परेड 39
C.11 तिब्बत स्वायत्त गणराज्य (TAR) 40
C.12 यूनान में चुनाव 40
C.13. बांग्लादेश में ब्लॉग लेखकों पर हमले 40
C.14 कलादान मल्टी मॉडल यातायत परियोजना 40
C.15 ISIS के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव 41
C.16 वैश्विक सौर गठबंधन 41
C.17 इस्लामिक सैन्य गठबंधन 41
C.18 चीन-अफ्रीका सहयोग मंच (FOCAC) 41
C.19 चीन-श्रीलंका 42
C.20 यमन संघर्ष-विराम 42
C.21. शून्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 42
C.22.उइघुर नेता डोल्कुन इसा का वीजा मुद्दा 43
C.23.ईरान में संसदीय चुनाव 43
C.24.अमरीकी राष्ट्रपति की क्यूबा यात्रा 44
C.25 चार देशों का आतंक-रोधी तंत्र 44
C.26 जापान-रूस क्षेत्रीय विवाद 45
C.27 नागोर्नी-काराबाख क्षेत्र 45

VISION IAS

C.28 कोकांग विद्रोही 45
C.29. सिनाई प्रायद्वीप 46
C.30. ट्रांस-अफ़ग़ान गैस पाइपलाइन 46
C.31. मोटर वाहन समझौता 47
C.32. ग्लोबल अपोलो प्रोग्राम 47
C.33.कुर्दिस्तान कामगार पार्टी 47
C.34. ऑपरेशन कॉन्डोर 47
C.35. अमेरिकी राष्ट्रपति की हिरोशिमा यात्रा 48
C.36. विश्व मानवता सम्मेलन (WORLD HUMANITARIAN SUMMIT) 48
C.37 रिस्पांसिबिलिटी टू प्रोटेक्ट (R2P) 48
D. व्यापार संगठन *50*
D.1.ट्रांस-पैसेफिक पार्टनरशिप 50
D.2. रीजनल कोम्प्रिहेंसिव इकनोमिक पार्टनरशिप (RCEP) 50
D.3. ट्रान्स-अटलांटिक व्यापार और निवेश साझेदारी (TTIP) 51
D.4. विश्व व्यापार संगठन (WTO) 51
E . रिपोर्ट्स *53*
E.1. विश्व विकास रिपोर्ट, 2016 53
E.2.ग्लोबल हैप्पीनेस रिपोर्ट, 2016 53
E.3. ग्लोबल एनर्जी आर्किटेक्चर परफार्मेंस इंडेक्स रिपोर्ट 53
E.4. यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक 2015 54
F. सैन्य अभ्यास *55*
G. गत वर्षों के प्रश्न *57*

VISION IAS

A. भारत और विश्व

A.1 भारत और मध्य एशिया

(India and Central Asia)

प्रधानमंत्री ने हाल ही में मध्य एशिया के पांच देशों-उज्बेकिस्तान, कज़ाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान की यात्रा की। ये सभी मध्य एशियाई देश ऊर्जा संसाधनों में बहुत समृद्ध हैं। वर्तमान में चीन के साथ 50 बिलियन डॉलर के व्यापार की तुलना में इन पांच मध्य एशियाई देशों से भारत का व्यापार केवल 1.6 बिलियन डॉलर का ही है।

- **ताजिकिस्तान:** भारत और ताजिकिस्तान ने आंतकवाद के विरुद्ध सहयोग में वृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता ज़ाहिर की है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दोनों देश आतंकवाद के जनक क्षेत्रों से भौगोलिक निकटता रखते हैं।
- **तुर्कमेनिस्तान:** प्रधानमंत्री ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुर्बंगुली बर्डीमुखाम्मेदोव (Gurbanguly Berdymukhammedov) के साथ अपनी वार्ता में TAPI गैस पाईपलाईन परियोजना के शीघ्र कार्यान्वयन पर बल दिया।
- **कज़ाखस्तान:** भारत और कज़ाखस्तान ने व्यापार प्रोत्साहन, ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा सहयोग पर बल दिया। कज़ाखस्तान जो विश्व का शीर्ष यूरेनियम उत्पादक है, भारत को वर्ष 2015–19 में 5000 टन यूरेनियम की आपूर्ति करेगा।
- **उज्बेकिस्तान:** भारत और उज्बेकिस्तान ने वर्ष 2014 में यूरेनियम की आपूर्ति के लिए किए गए अनुबंध को शीघ्र लागू करने के उपायों पर भी चर्चा की।
- **किर्गिस्तान:** भारत और किर्गिस्तान ने रक्षा सहयोग को बढ़ाने तथा प्रतिवर्ष संयुक्त सैन्य अभ्यास के आयोजन के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

A.2 भारत एवं बांग्लादेश

(India And Bangladesh)

भारतीय संविधान में 100वाँ संशोधन (संविधान की प्रथम अनुसूची में संशोधन)

भारत और बांग्लादेश के बीच संपन्न लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट (LBA) के तहत कुछ अंतःक्षेत्रों (एन्क्लेव्स) की अदला-बदली और सम्बंधित एन्क्लेव के निवासियों को नागरिकता प्रदान किया जाना है।

- 100 वें संविधान संशोधन ने 1974 के भारत-बांग्लादेश **लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट** के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया।
- इसके तहत 111 एन्क्लेव बांग्लादेश को स्थानांतरित किये जाएंगे और इसके बदले में 51 एन्क्लेव भारत का हिस्सा बनेंगे।
- **सीमा हाट (बॉर्डर हाट):** भारत सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर और अधिक सीमा हाटों की स्थापना हेतु प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। वर्तमान में चार सीमा हाट क्रियाशील हैं, ये हैं:- कलाईचार (मेघालय-बांग्लादेश सीमा), बलाट (मेघालय-बांग्लादेश सीमा), कमलासागर (त्रिपुरा-बांग्लादेश सीमा) और श्रीनगर (त्रिपुरा-बांग्लादेश सीमा)।

VISION IAS

A.3 भारत- ऑस्ट्रेलिया

(India-Australia)

- भारत ने ऑस्ट्रेलिया से नागरिक परमाणु समझौते को अंतिम रूप दिया है जिससे भारत अब ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति कर सकेगा।
- भारत की ऊर्जा आपूर्ति में नाभिकीय ऊर्जा का योगदान मात्र 3 प्रतिशत है।
- भारत ऐसा पहला देश होगा जो परमाणु अप्रसार संधि (NPT) हस्ताक्षरकर्ता न होते हुए भी ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम प्राप्त करेगा।
- वर्तमान में भारत का 11 देशों के साथ नाभिकीय ऊर्जा अनुबंध है और यह फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और कजाखस्तान से यूरेनियम का आयात करता है।

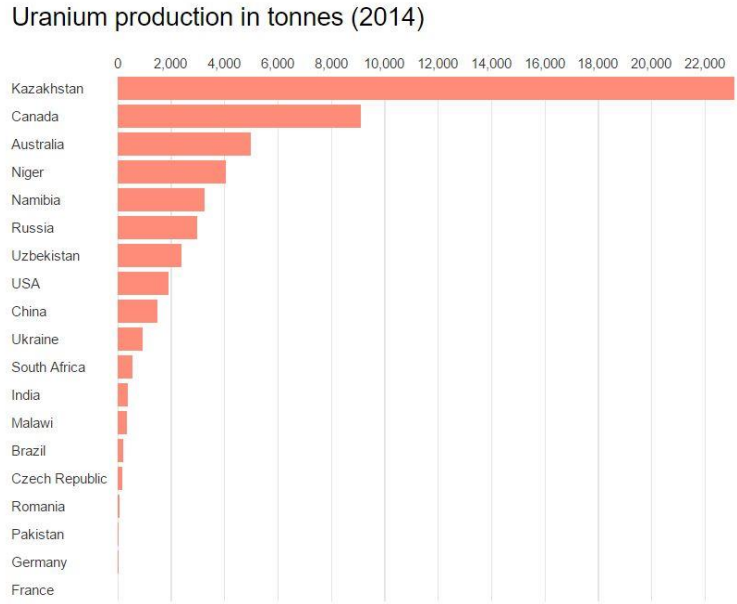

- ऑस्ट्रेलिया के पास विश्व का लगभग 40 प्रतिशत यूरेनियम भंडार है और यह प्रतिवर्ष लगभग 7000 टन यूरेनियम (येलो केक) का निर्यात करता है। (येलो केक यूरेनियम अयस्क के प्रशोधन से प्राप्त अंतिम उत्पाद हैं, इसमें लगभग 80% यूरेनियम ऑक्साइड का अंश होता हैं)

A.4 भारत – अफ़ग़ानिस्तान

(India-Afghanistan)

तालिबान और अफगान सरकार के बीच सीधी बातचीत की प्रक्रिया को आरंभ करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तत्वाधान में एक **चतुष्पक्षीय समन्वय समूह** (Quadrilateral Coordination Group, QCG) का गठन किया गया है।

नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (NUG): 2014 में अफगानिस्तान के अत्यधिक विवादास्पद राष्ट्रपति चुनाव के उपरांत अमेरिका ने दो महत्वपूर्ण प्रत्याशियों को **नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट** में शामिल होने के लिए सहमत करके तथा एक **मुख्य कार्यकारी अधिकारी** के पद का सृजन करके चतुराई का प्रदर्शन किया था।

- राष्ट्रपति अशरफ गनी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अब्दुल्लाह के बीच मतभेदों के कारण सम्पूर्ण शासन व्यवस्था पंगु हो गयी है।
- अफगान संविधान राष्ट्रपति शासन प्रणाली की व्यवस्था करता है; हालांकि माना जा रहा था कि दो वर्ष के भीतर अर्थात् सितंबर 2016 तक, संविधान का संशोधन कर मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद को प्रधानमंत्री के पद में बदल दिया जाएगा और कार्यपालिका शक्तियों का बँटवारा किया जाएगा।

भारत ने अफ़ग़ानिस्तान के पुनर्निर्माण और पुनरोद्धार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने अब तक अफगानिस्तान को लगभग 2 बिलियन यूएस डॉलर का सहयोग प्रदान किया है।

भारत द्वारा अफ़ग़ानिस्तान के पुनर्निर्माण हेतु कुछ महत्त्वपूर्ण बड़ी परियोजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनमें: ज़रांज से डेलारम तक 218 किमी लम्बे रोड का निर्माण, पुल-ए-खुमरी से काबुल तक 220kV डीसी ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण, चिमटाला में 220/110/20kV क्षमता वाले एक सब-स्टेशन का निर्माण, हेरात राज्य में सलमा बांध का निर्माण तथा अफ़ग़ान संसद का निर्माण आदि प्रमुख हैं।

- भारत और अफ़ग़ानिस्तान ने 2011 में **सामरिक भागीदारी समझौता** (Strategic Partnership Agreement) किया था।
- तालिबान का सामना करने के लिए सामरिक नीति के एक भाग के रूप में, भारत ने अफगान वायु सेना को **तीन युद्धक हेलीकॉप्टर Mi-25** उपहार स्वरूप प्रदान किये हैं।

A.5 भारत और यूएई

(India-UAE)

प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात की अपनी पहली यात्रा की। इससे पहले 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने यूएई की यात्रा की थी।

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच जारी संयुक्त वक्तव्य में 'भारत के प्रति अरब देशों के दृष्टिकोण' में **महत्त्वपूर्ण परिवर्तन** की झलक मिलती है।
- संयुक्त अरब अमीरात और भारत द्वारा जारी नई सामरिक साझेदारी न सिर्फ भारत की **'लुक वेस्ट'** की नीति से निर्देशित है, बल्कि GCC (Gulf Cooperation Council) की **'लुक ईस्ट'** नीति से भी प्रभावित है।
- 2014-2015 में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच 59 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ।
- संयुक्त अरब अमीरात भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है।
- संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है।

A.6 भारत - ईरान

(India-Iran)

- भारत ने चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए ईरान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इस बंदरगाह के माध्यम से भारत की व्यापारिक पहुंच **अफगानिस्तान तथा अन्य मध्य एशियाई देशों तक** हो जाएगी तथा इसके लिए पड़ोसी देश पाकिस्तान की भी आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी।

VISION IAS

- अफ़गानिस्तान में और उससे आगे के क्षेत्र में भारत की पहुँच बढ़ाने के सन्दर्भ में चाबहार बंदरगाह रणनीतिक स्थान पर स्थित है। साथ ही यह भारत को **अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे** से भी जोड़ देगा। भारत इसके प्रारंभिक चरण के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक है।
- अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (**International North-South Transport Corridor (INSTC)**) भारत, रूस, ईरान, यूरोप और मध्य एशिया के देशों के बीच जहाज, रेल और सड़क मार्गों के विकास से संबंधित परियोजना है।
- **चाबहार** में भारत की उपस्थिति पाकिस्तान के **ग्वादर बंदरगाह** में चीन की उपस्थिति की भरपाई करेगा।
- भारत फारस की खाड़ी में विशाल गैस परियोजना **फरजाद बी** विकसित करने में भागीदारी का इच्छुक है।
- ईरान भारत के लिए अपनी **ऊर्जा सुरक्षा** सुनिश्चित करने के साथ-साथ **तेल और गैस समृद्ध मध्य एशियाई** देशों तक पहुँच बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण देश है।

A.7 भारत - सऊदी अरब

(India –Saudi Arabia)

भारत के प्रधानमंत्री ने हाल ही में सऊदी अरब की पहली आधिकारिक यात्रा की।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौथे भारतीय प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सऊदी अरब की यात्रा की। उनसे पहले 2010 में डॉ मनमोहन सिंह, 1982 में इंदिरा गांधी और 1956 में जवाहरलाल नेहरू ने सऊदी अरब की यात्रा की थी।
- उन्होंने सऊदी अरब के शासक किंग सलमान को **चेरामन जुमा मस्जिद** (629 ईस्वी में निर्मित, इसे भारत में निर्मित पहली मस्जिद माना जाता है) की स्वर्णजड़ित प्रतिकृति भेंट की।
- उन्हें सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान **किंग अब्दुल अजीज साश** सम्मान से सम्मानित किया गया।
- 2010 में भारत और सऊदी अरब ने **रियाद घोषणापत्र** पर हस्ताक्षर किये थे, जिससे रक्षा, प्रतिरक्षा और आर्थिक क्षेत्रों में साझेदारी बढाने का ढांचा तैयार हुआ। तब से भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग और खुफ़िया जानकारियों के साझा करने के संदर्भ में आश्चर्यजनक सुधार देखने को मिला है।
- **सऊदी अरब भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।**
- भारत, सऊदी अरब से अन्यदेशीय विप्रेषण (foreign remittances) का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है।
- पश्चिम एशिया में कार्यरत **11 मिलियन** भारतीयों में से लगभग **3 मिलियन** सऊदी अरब में हैं। इसलिए, इस क्षेत्र में स्थिरता और विशेष रूप से सऊदी अरब में स्थिरता भारत के मुख्य एजेंडे में शामिल है।
- हाल के वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में सुरक्षा का आयाम जुड़ गया है जिसके कारण आतंकवाद का मुकाबला करने और खुफ़िया जानकारी साझा करने में सहयोग के लिए दोनों देश बेहतर कदम उठा रहे हैं।

A.8 भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका

(India-USA)

अमेरिकी रक्षा सचिव एश्टन कार्टर अप्रैल में भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए। दोनों पक्ष **'लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ़ एग्रीमेंट' (LEMOA)** को अंतिम रूप देने के लिए सैद्धांतिक तौर पर सहमत हुए।

- यदि यह समझौता संपन्न हो गया तो अमेरिकी युद्धक विमान और जंगी बेड़े भारतीय सैन्य छावनियों में लॉजिस्टिक्स के लिए, ईंधन इत्यादि भरने और मरम्मत सम्बन्धी कार्यों के लिए ठहर सकेंगी, ठीक यही सुविधा अमेरिकी छावनियों में भारतीय सेना को भी मिलेगी।
- हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस में **US**-इंडिया डिफेन्स टेक्नोलॉजी एंड पार्टनरशिप एक्ट पेश किया गया, जिसमें भारत को व्यापार और तकनीकी हस्तांतरण के संदर्भ में अमेरिका के नाटो सहयोगियों के समकक्ष रखा गया। इस तरह यह अधिनियम रक्षा निर्यात बाजार में भारत का ओहदा बढ़ाता है।
- यह अधिनियम दोनों देशो के बीच **'डिफेन्स टेक्नोलॉजी एंड ट्रेड इनिशिएटिव (DTTI)'** फ्रेमवर्क और पेंटागन में स्थित इंडिया रैपिड रिएक्शन सेल (IRRC) को संस्थागत रूप प्रदान करेगा।

समुद्री सुरक्षा समझौता: भारत ने बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास RIMPAC में कई वर्षों तक भाग लेकर अपनी प्रतिबद्धता निभाई है। **रिम ऑफ़ द पैसिफिक एक्सरसाइज (RIMPAC)** दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री सैन्य अभ्यास है।

सौर ऊर्जा विवाद

अमेरिका ने भारत के जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत यहाँ की 'घरेलू सामग्री आवश्यकता' (**domestic content requirement-DCR**) संबंधी प्रावधान के खिलाफ विश्व व्यापार संगठन में एक शिकायत दर्ज कराई है।

- अमेरिका ने दावा किया है कि DCR के कारण **राष्ट्रीय व्यवहार के सिद्धांत** (**national treatment principle**) और ट्रेड रिलेटेड इन्वेस्टमेंट मेजर्स **(TRIMs)** जैसे विश्व व्यापार संगठन के समझौतों का उल्लंघन हुआ है।

विश्व व्यापार संगठन का फैसला

- भारत का DCR संबंधी प्रावधान वस्तुतः TRIMs समझौते के अनुबंध के अंतर्गत एक प्रकार का ट्रेड-रिलेटेड इन्वेस्टमेंट मेजर्स (उपाय) था, अतः उक्त प्रावधान TRIMs समझौते के अनुच्छेद 2.1 से असंगत था।
- पैनल ने यह भी पाया है कि DCR, GATT 1994 की अनुसूची III:4 के अनुसार "less favorable treatment" प्रदान करता है।
- हालांकि, पैनल ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं में भारत द्वारा प्रदान की गयी वित्तीय सब्सिडी पर कोई फैसला नहीं दिया।

A.9 भारत और सेशेल्स

(India – Seychelles)

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 34 वर्षों बाद सेशेल्स की यात्रा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने। केन्द्रीय मंत्री परिषद ने भारत और सेशेल्स के बीच समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनमी) के क्षेत्र में सहयोग के लिए हस्ताक्षरित प्रोटोकॉल को व्यवहारिक अनुमति प्रदान कर दी है।
- यह सहयोग ब्लू इकॉनमी के क्षेत्र में भारत के सामरिक सहयोग में वृद्धि करेगा।
- भारत सेशेल्स के साथ उसकी नौसैनिक सर्वेक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सहयोग करता रहा है। इसका अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) 1.3 मिलियन वर्ग किलोमीटर का है।
- भारतीय नौसेना ने पहली बार नौसैनिक सर्वेक्षण वायुयान (**maritime reconnaissance aircraft**) को सेशेल्स में तैनात किया है। इसका कार्य सेशेल्स के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की निगरानी करना है।

A.10 भारत-चीन

(India- china)

- लद्दाख में स्थित दौलतबेग ओल्डी भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों के बीच पांचवा **बॉर्डर मीटिंग पॉइंट** बन गया हैं।
- भारत और चीन के बीच चार अन्य बॉर्डर मीटिंग पॉइंट हैं: किबिथू (अरुणाचल प्रदेश), स्पन्गुर गैप (चुशूल, लद्दाख), बुम-ला (तवांग, अरुणाचल प्रदेश) और नाथू-ला (सिक्किम)।
- ब्रह्मपुत्र या यारलुंग जांग्बो (इसी नाम से इसे चीन में भी जाना जाता है) पर स्थित जान्मू बांध (तिब्बत में स्थित) अब पूर्णतया परिचालन में है।
- चीन ने अपनी मौजूदा पंचवर्षीय योजना में भी तीन अन्य बांधों, जिनमें से एक 510 मेगावाट के जान्मू बांध से भी बड़ा है (नदी के उर्ध्वप्रवाह पर 18 किमी ऊपर स्थित, 640 मेगावाट क्षमता का दागू बांध), पर काम शुरू करने के लिए हरी झंडी दिखा दी है। अन्य दो छोटे बांध जियाचा (Jiacha) और जिएक्सु (Jiexu) पर बनाए जाएंगे।

A.11. भारत-CLMV शिखर सम्मेलन

(India- CLMV Summit)

भारत **CLMV** देशों अर्थात कंबोडिया, लाओस, म्यांमार व वियतनाम (जो 10 सदस्यीय आसियान संगठन का हिस्सा हैं) में निवेश कर उन मुक्त व्यापार समझौतों से लाभ प्राप्त करना चाहता है जो इन देशों ने चीन जैसे विभिन्न राष्ट्रों के साथ किये हैं।

CLMV शिखर सम्मेलन आसियान फ्रेमवर्क के अंतर्गत एक अतिमहत्त्वपूर्ण बैठक है क्योंकि ये चार आसियान के सदस्य राष्ट्र हैं।

A.12. जयपुर शिखर सम्मेलन: भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (FIPIC)

[Jaipur Summit: Forum for India-Pacific Islands Cooperation (FIPIC)]

- भारत ने प्रशांत द्वीपीय देशों के दूसरे शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। यह सम्मेलन **भारत एवं प्रशांत द्वीपों के बीच सहयोग के लिए मंच** उपलब्ध कराने के लिए आयोजित किया गया था।
- इस शिखर सम्मेलन में दक्षिणी प्रशांत महासागर के 14 द्वीपीय देशों के बढ़ते भूराजनीतिक महत्व को रेखांकित किया गया। ये देश एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में स्थित होने के साथ ही संसाधनों से समृद्ध हैं और संयुक्त राष्ट्र में सबसे बड़े मतदाता समूहों में से एक हैं।
- भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग फोरम (FIPIC) एक बहुराष्ट्रीय समूह हैं जो भारत और 14 प्रशांत द्वीप देशों के मध्य सहयोग और समन्वय बढ़ाने के लिए 2014 में अस्तित्व में आया । इसमें कुक आइलैंड्स, फिजी, किरिबाती, मार्शल द्वीप, माइक्रोनेशिया, नाउरू, नियू, समोआ, सोलोमन आईलैंड, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी, टोंगा, तुवालु और वानुअतु शामिल हैं।
- इन सभी देशों के प्रमुख पहली बार नवंबर 2014 में सुवा (फिजी) में मिले थे जहाँ इस वार्षिक शिखर सम्मेलन के आयोजन की अवधारणा दी गई।

A.13 भारत – श्रीलंका

(India- Sri Lanka)

भारत और श्रीलंका ने असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। श्रीलंका ने इस तरह के समझौते पर किसी भी विदेशी देश के साथ पहली बार हस्ताक्षर किए। महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू के बाद श्री मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री और तीसरे भारतीय नेता बने जिन्होंने जाफना का दौरा किया।

A.14 भारत-अफ्रीका

(India-Africa)

भारत-अफ्रीका फोरम (मंच) का तीसरा सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 54 अफ्रीकी देशों में से 41 देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। वर्ष 1983 के नयी दिल्ली में आयोजित गुट निरपेक्ष सम्मेलन के बाद यह विदेशी उच्च अधिकारियों की सबसे बड़ी बैठक थी। इससे पहले के दो भारत-अफ्रीका सम्मेलन वर्ष 2008 और 2011 में नई दिल्ली और अदिस अबाबा में आयोजित हुए थे।

भारत और अफ्रीका के साझा हित

- भारत और अफ्रीका ने कहा कि **वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (WTO)** के सभी लंबित विषयों पर दोनों सहभागी एकमत हैं और बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के पक्ष में हैं।
- **आंतकवाद से निपटने के लिए सहयोग :** भारत ने ख़ुफ़िया जानकारी के आदान-प्रदान और 54 अफ़्रीकी देशों को आतंकवाद की विभीषिका से निपटने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने में सहयोग किया हैं।
- भारत और अफ्रीका के बीच **जलवायु परिवर्तन पर परस्पर सहयोग:** दोनों का ही भूमंडलीय तापमान वृद्धि में बहुत कम योगदान है।
- **सुरक्षा परिषद में सुधार** से दोनों पक्षों के हित जुड़े हुए हैं, इसलिए दोनों को सुरक्षा परिषद में सुधारों के सम्बन्ध में साझी रणनीति बनाने की आवश्यकता है।

A.15 भारत-जर्मनी

(India-Germany)

- जर्मन चांसलर एंजला मर्केल ने **तीसरे इंडो-जर्मन अंतर-सरकारी विचार-विमर्श** के लिए भारत की यात्रा की।
- **"फास्ट-ट्रैक क्लीयरेंस व्यवस्था" :** जर्मन निवेश को आकर्षित करने हेतु भारत ने "फास्ट-ट्रैक क्लीयरेंस मैकेनिज्म" स्थापित करने का निर्णय लिया है। जर्मनी के अतिरिक्त जापान एकमात्र ऐसा देश है जिसके लिए पहले से ऐसी व्यवस्था विद्यमान है।

A.16. भारत और इब्सा

(India and IBSA)

- भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (IBSA) के बीच भूख और गरीबी को समाप्त करने के उद्देश्य से संपन्न त्रिपक्षीय इब्सा कोष समझौते को हाल ही में कैबिनेट ने अनुमोदित किया।

VISION IAS

- **इब्सा डायलाग फोरम** इन देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय त्रिपक्षीय समूह है। यह विकासशील दुनिया के तीन महत्वपूर्ण महाद्वीपों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग और अधिक से अधिक समझ बढ़ाने के उद्देश्य से तीन महत्वपूर्ण ध्रुवों अर्थात् अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका का प्रतिनिधित्व करता है।

- **इब्सा सम्मेलन:-**

2006	सितंबर, 2006	ब्राजील	ब्राजीलिया
2007	अक्टूबर, 2007	दक्षिण अफ्रीका	प्रिटोरिया
2008	अक्टूबर, 2008	भारत	नई दिल्ली
2010	15 अप्रैल 2010	ब्राजील	ब्राजीलिया
2011	18 अक्टूबर 2011	दक्षिण अफ्रीका	प्रिटोरिया
2013	16 मई 2013 (रद्द)	भारत	नई दिल्ली

A.17 तेरहवाँ भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन

(13th India-EU summit)

तेरहवाँ भारत-EU शिखर सम्मेलन मार्च 2016 में ब्रसेल्स में संपन्न हुआ।

सम्मेलन का परिणाम

ब्रसेल्स में हुए इस सम्मेलन में यद्यपि द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति नहीं बन सकी, परन्तु विदेश नीति तथा बाह्य अंतरिक्ष जैसे अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रक्रिया में प्रगति हुई।

ब्रॉड-बेस्ड ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट (BTIA) पर गतिरोध

EU की प्रमुख मांगें:

- यूरोपीय संघ ऑटोमोबाइल, शराब और स्पिरिट जैसे कुछ क्षेत्रों से करों को पूरी तरह समाप्त करने या कम करने के पक्ष में है।
- भारत में कारों पर आयात शुल्क 60 से 120 प्रतिशत है, जबकि EU में यह महज 10 प्रतिशत है।

भारत की प्रमुख मांगें:

- भारत की प्रमुख मांगें हैं- डेटा सिक्योरिटी स्टेटस की प्राप्ति (यह EU की फ़र्मों से और अधिक व्यापार करने हेतु भारत के IT सेक्टर के लिए आवश्यक है), कुशल पेशेवरों का आसान आवागमन और सहज इंट्रा-कॉर्पोरेट आवागमन।
- EU को अपने उन 'गैर-प्रशुल्क अवरोधों' को हटाना चाहिए, जो वहां की स्थानीय इकाइयों के हितों का अधिक ख्याल रखते हैं, सुरक्षा और गुणवत्ता का कम।
- भारत EU के कृषि बाजार तक पहुंच चाहता है। भारत के द्वारा सेनेटरी, फाइटो-सैनेटरी प्रतिबंधात्मक नियमों को तर्कसंगत बनाने के साथ ही व्यापार संबंधी तकनीकी अवरोधों को समाप्त करने की मांग की गयी है।

VISION IAS

भारत और EU के मध्य अन्य प्रमुख मुद्दे:

- **मानवाधिकार हननः** ईयू और भारत के बीच वार्ता में अवरोध उत्पन्न होने के लिए प्रकट कारणों में से एक भारत में मानव अधिकार उल्लंघन पर यूरोपीय संघ की चिंता है।
- **इतालवी नौसैनिकों** का मुद्दा भी सम्बन्ध बिगड़ने के लिए उत्तरदायी है।
- **मनमाने प्रतिबन्ध**: अगस्त 2015 में भारत ने मुक्त व्यापार सम्बन्धी वार्ताएं टाल दी क्योंकि EU ने लगभग 700 फार्मास्यूटिकल उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबन्ध लगा दिया था।

A.18 भारत–मालदीव

(India-Maldives)

मालदीव के राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन अब्दुल गयूम ने अप्रैल माह में भारत की आधिकारिक यात्रा की। हिन्द महासागरीय क्षेत्र में मालदीव एक महत्त्वपूर्ण देश है। भारत और मालदीव के सम्बन्ध उतार-चढ़ाव से युक्त रहे हैं।

- चीन-मालदीव संबंधों में बढ़ती नजदीकी भारत की प्रमुख चिंता है।
- चीन अवसंरचना के निर्माण और विकास परियोजनाओं में मालदीव की सहायता कर रहा है।
- मालदीव चीन की सिल्क रोड परियोजना का भी हिस्सा है।
- माले द्वारा GMR ग्रुप के साथ अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के आधुनिकीकरण के लिए 2010 में हुआ समझौता रद्द कर दिया गया था। बाद में यह प्रोजेक्ट एक चीनी कंपनी को दे दिया गया था।

मालदीव को भारत द्वारा दी गयी मदद :

- 1988 में मालदीव में ईलम-समर्थक समूह द्वारा तख्तापलट की कोशिश की गयी, जिसे भारत ने **'ऑपरेशन कैक्टस'** द्वारा नाकाम कर दिया। मालदीव के अनुरोध पर वहां 2009 से भारतीय नौसेना की उपस्थिति है।
- दिसंबर 2014 में माले में, वहाँ के सबसे बड़े 'वाटर ट्रीटमेंट प्लांट' के जनरेटर में लगी आग से उत्पन्न जल संकट से निपटने के लिए भारत ने त्वरित 'जल सहायता' भेजी थी (**ऑपरेशन नीर**)।

A.19. भारत-पापुआ न्यू गिनी

(India-Papua New Guinea)

- दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के के उपरान्त भारत के राष्ट्रपति द्वारा पापुआ न्यू गिनी की यह पहली आधिकारिक यात्रा थी।
- भारत संयुक्त उद्यमों और निवेश के माध्यम से पापुआ न्यू गिनी के विशाल तेल और गैस संसाधनों का पता लगाने और उन्हें विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाने पर विचार कर रहा है।
- भारत,प्रशांत महासागरीय द्वीपों के साथ अपने सहयोग को 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक प्रमुख घटक मानता है।

A.20 भारत-पाकिस्तान

(India-Pakistan)

सर क्रीकः सर क्रीक भारत और पाकिस्तान की सीमा पर स्थित 96 किमी लम्बा ज्वारनदमुख है। इसका मुहाना अरब-सागर में खुलता है और यह भारत के गुजरात राज्य को पाकिस्तान के सिंध प्रान्त से अलग करता है।

VISION IAS

- भारत और पाकिस्तान के बीच सरक्रीक विवाद का नामकरण उस ब्रिटिश प्रतिनिधि के नाम पर हुआ जिसने स्थानीय राजाओं के बीच ईधन की लकड़ी पर हुए विवाद में मध्यस्थता की थी।
- पाकिस्तान **'ग्रीन लाइन'** द्वारा परिभाषित इसके पूर्वी किनारे सहित सम्पूर्ण सर क्रीक पर अपना दावा प्रस्तुत करता है और इसी प्रकरण से संबंधित 1914 के मानचित्र पर इसे प्रदर्शित भी करता है।

- **भारत का दृष्टिकोण:** अन्तर्राष्ट्रीय कानून के 'थालवेग सिद्धांत' का हवाला देते हुए भारत इस संदर्भ में अपना पक्ष रखता है, जिसके अनुसार दो राज्यों के बीच 'यदि दोनों सहमत हों' तो सीमा को मध्य चैनल के आधार पर विभाजित किया जा सकता है।

सियाचिन विवाद:

- सियाचिन (जिसका अर्थ गुलाबों की भूमि है) के विश्व को उच्चतम युद्धक्षेत्र के रूप में भी पहचान प्राप्त है।
- यह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान द्वारा चीन को हस्तांतरित भूमि के बीच अवस्थित त्रिकोणीय क्षेत्र है।
- सियाचिन विवाद जुलाई 1949 के कराची युद्ध-विराम समझौते में व्याप्त अस्पष्टता का एक प्रत्यक्ष परिणाम है।
- 1947-1948 के युद्ध के अंत में जिस समझौते के द्वारा दोनों देशों की सेनाओं के बीच युद्ध विराम रेखा की स्थापना हुई, उसमे **ग्रिड रिफरेन्स NJ 9842** (जो कि सियाचिन ग्लेशियर के दक्षिण की ओर अवस्थित है) से चीनी सीमा तक के बीच की सीमा रेखा का निरूपण नहीं किया गया, तथा इसे "चालुन्का (श्योक नदी पर), खोर और तदंतर **ग्लेशियरों के उत्तर (thence North to the glaciers)** तक ऐसे हीं छोड़ दिया गया।

कराची युद्धविराम समझौते की व्याख्या:

"इसके बाद **thence North to the glaciers** " वाक्यांश की भारत और पाकिस्तान पक्षों ने बिल्कुल भिन्न प्रकार से व्याख्या की है।

- पाकिस्तान इसका अर्थ यह बताता है कि **यह रेखा NJ 9842 से सीधी भारत-चीन सीमा पर स्थित काराकोरम दर्रे की ओर जानी चाहिए।**
- हालांकि, भारत इस बात पर जोर देता है कि यह रेखा चीन के साथ लगने वाली सीमा के साथ सल्टोरो पर्वतश्रृंखला के साथ **NJ** 9842 से उत्तर की ओर आगे बढ़नी चाहिए।

रणनीतिक अवस्थिति:

- सियाचिन एक ऐसे रणनीतिक स्थान पर अवस्थित है जिसके बायीं ओर पाकिस्तान और दाहिनी ओर चीन है।

VISION IAS

- **ऑपरेशन मेघदूत:** भारत ने अप्रैल 1984 में ऑपरेशन मेघदूत आरंभ किया और ग्लेशियर के उच्च स्थलों पर अपना अधिकार कर लिया।

A.21 अश्गाबात समझौता

(Ashgabat Agreement)

केन्द्रीय मंत्रिपरिषद ने भारत के अश्गाबात समझौते में शामिल होने की स्वीकृति दे दी है। यह समझौता मध्य एशिया एवं फारस की खाड़ी के देशों के बीच वस्तुओं के परिवहन को सुगम बनाने हेतु एक अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन एवं पारगमन गलियारे से संबंधित है।

- समझौते के बाद भारत इस परिवहन एवं पारगमन गलियारे के उपयोग करके यूरेशियाई क्षेत्र के साथ व्यापार एवं वाणिज्यिक अंतः क्रिया में वृद्धि कर पायेगा ।
- इसके अतिरिक्त यह अन्तर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) के क्रियान्वयन के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयासों से सामंजस्य स्थापित करेगा, जिससे संयोजकता (कनेक्टिविटी) में वृद्धि होगी।
- इस कदम से भारत और यूरेशियाई क्षेत्र के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

अश्गाबात समझौते के विषय में:

- 25 अप्रैल 2011 को अश्गाबात में एक नए अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन एवं पारगमन गलियारे के विकास हेतु 5 देशों (उज्बेकिस्तान-तुर्कमेनिस्तान-ईरान-ओमान-कतर) के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
- कतर ने इस समझौते से 2013 में अपना नाम वापस ले लिया था।
- यह समझौता मध्य एशियाई देशों तथा ईरानी और ओमानी बन्दरगाहों के बीच सबसे छोटे व्यापार मार्ग/गलियारा के विकास हेतु आधार का निर्माण करता है।
- ओमान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान एवं उज्बेकिस्तान इस समझौते के संस्थापक सदस्य हैं जबकि कज़ाख़स्तान हाल ही में इसमें शामिल हुआ है।

A.22 भारत-पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका

(India –Pakistan and USA)

संयुक्त राज्य अमेरिका की डि-हाइफनेशन (de-hyphenation) नीति:

राष्ट्रपति बुश के कार्यकाल के दौरान, अमेरिकी सरकार ने **'डि-हाइफनेशन' (de-hyphenation)** नीति की कार्य-योजना निर्मित की थी लेकिन ओबामा के सत्ता में आने के बाद इस पर मुहर लगायी गयी थी।

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न विभागों के द्वारा भारत एवं पाकिस्तान को, उनके द्विपक्षीय संबंधों को संदर्भित किए बिना दो पृथक भागों के रूप में देखता है।
- **अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लिए विशेष प्रतिनिधि (SRAP)** संबंधी प्रावधान 2009 में किया गया था, जिसने डी-हायफ़नेशन नीति के प्रारंभ का स्वागत किया।

नीति उत्क्रमण:

- 2009 के ओबामा प्लान के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका स्टेट डिपार्टमेंट भारत और पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को "डी-हाइफेनेट" रखता था; अब सात वर्ष बाद प्रशासन उसे बदलने के विषय में सक्रियतापूर्वक विचार कर रहा है। ओबामा सरकार **अफगानिस्तान और पाकिस्तान के**

VISION IAS

लिए विशेष प्रतिनिधि (SRAP) कार्यालय का भारत संबंधी मामले को देखने वाले **दक्षिण एवं मध्य एशिया (SCA)** ब्यूरो के साथ पुन: विलय चाहता है।

A.23 चौथा भारत-अफ्रीका हाइड्रोकार्बन सम्मेलन

[4th India-Africa Hydrocarbons Conference (IAHC)]

- सरकार द्वारा 21-22 जनवरी 2016 को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका हाइड्रोकार्बन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कुल 21 अफ्रीकी देशों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।
- सम्मेलन का उद्देश्य भारत और अफ्रीकी महाद्वीप के बीच हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में 'विकास का संचारण करने वाली भागीदारी' (development transmitting partnership) को और अधिक बढ़ाना है।

A.24 प्रथम भारत-अरब मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

(First India-Arab Ministerial Conference)

- अरब-भारत सहयोग मंच की प्रथम मंत्रिस्तरीय बैठक बहरीन की राजधानी मनामा में 24 जनवरी 2016 को आयोजित की गयी।
- बैठक में नेताओं ने **अरब-भारत सहयोग** की उपलब्धियों की समीक्षा की और **मनामा घोषणा-पत्र** पारित किया।
- अरब-भारत सहयोग मंच को 2008 में नई दिल्ली में शुरू किया गया था।

- अरब लीग अफ्रीका और दक्षिण पश्चिम एशिया के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित स्वतंत्र अरब देशों का संगठन है।
- लीग के गठन हेतु समझौते पर काहिरा में मार्च, 1945 में छह सदस्य देशों मिस्र, इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और सऊदी अरब के प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षर किये गये।
- वर्तमान में, लीग के 21 सदस्य देश- अल्जीरिया, बहरीन, कोमोरोस, जिबूती, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मॉरिटानिया, मोरक्को, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया, सूडान, ट्यूनीशिया, संयुक्त अरब अमीरात और यमन हैं।

A.25 भारत-वियतनाम

(India - Vietnam)

- भारत द्वारा दक्षिणी वियतनाम में एक उपग्रह ट्रैकिंग और इमेजिंग सेंटर की स्थापना की जाएगी, इससे वियतनाम को भारतीय भू-प्रेक्षण उपग्रह द्वारा लिए गये उन चित्रों की प्राप्ति हो सकेगी जो चीन और दक्षिण चीन सागर क्षेत्र को भी कवर करते हैं।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा उपग्रह प्रक्षेपण पर नजर रखने के लिए उपग्रह ट्रैकिंग और डेटा रिसेप्शन सेंटर की स्थापना हो ची मिन्ह शहर में की जाएगी।

VISION IAS

A.26 रायसीना संवाद

(Raisina Dialogue 2016)

- रायसीना संवाद की परिकल्पना भारत के भूराजनीतिक एवं भूआर्थिकी हेतु एक फ्लैगशिप सम्मेलन के रुप में की गयी।
- इसे एशियाई देशों के एकीकरण एवं एशिया के शेष विश्व के साथ एकीकरण की संभावनाओं एवं अवसरों की खोज के लिए परिकल्पित किया गया हैं।
- 2016 के सम्मेलन का केन्द्र बिन्दु एशिया की भौतिक, आर्थिक एवं डिजिटल कनेक्टिविटी एवं एशिया पर विशेष बल देते हुए साझा वैश्विक मुद्दों को प्रोत्साहन देना था।
- यह हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर आधारित है। इसका उद्देश्य ऐसी संभावनाओं की तलाश करना है जिससे भारत अपने साझेदारों के साथ एक स्थाई क्षेत्रीय एवं वैश्विक व्यवस्था का निर्माण कर सके। इस सम्मेलन का आयोजन भारत के विदेश मंत्रालय एवं आब्जर्वर रिसर्च फाउनडेशन (एक स्वतंत्र भारतीय थिंक टैंक) द्वारा संयुक्त रुप से किया गया।
- इस सम्मलेन की थीम 'एशियाई कनेक्टिविटी' थी।

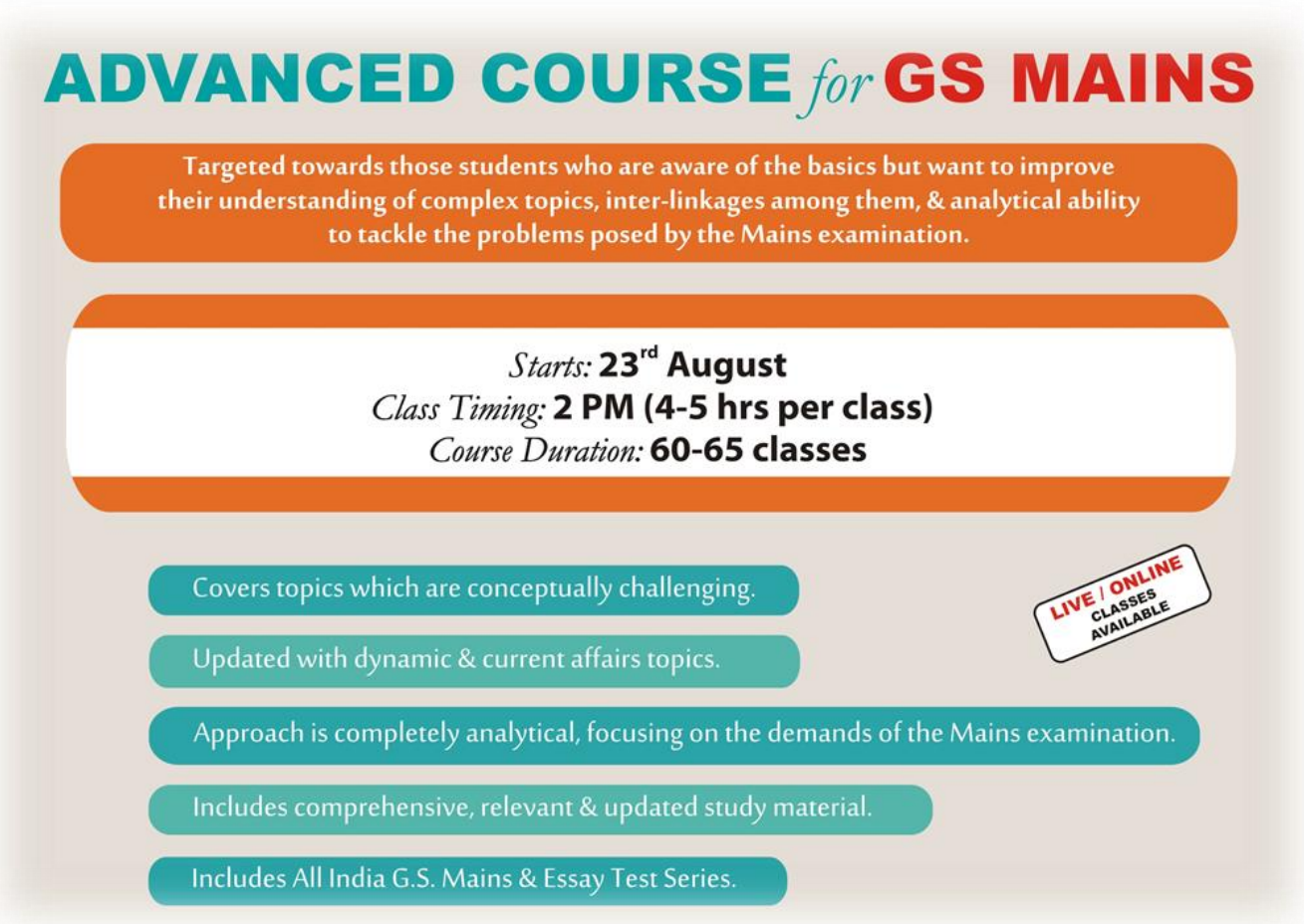

B. अंतर्राष्ट्रीय संगठन/संस्थान

B.1 शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

[Shanghai Cooperation Organisation (SCO)]

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का 15वां शिखर सम्मेलन रूस के उफा में जुलाई 2015 में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में भारत और पाकिस्तान को शंघाई सहयोग संगठन के पूर्णकालिक सदस्यों के रूप में स्वीकार किया गया।

भारत की सदस्यता का महत्व:

- **ऊर्जा सुरक्षा:** संगठन के कुछ सदस्य हाइड्रोकार्बन और यूरेनियम के मामले में समृद्ध हैं।
- **सुरक्षा**: आतंकवाद, नशीले पदार्थों के व्यापार के विरुद्ध संयुक्त प्लेटफार्म।
- **आर्थिक समायोजन:** मध्य एशिया के देशों के साथ भारत का आर्थिक समायोजन।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

यह 2001 के शंघाई पैक्ट के द्वारा से स्थापित हुआ था जो एक यूरेशियन आर्थिक, राजनैतिक और सैन्य समझौता है। इसके संस्थापक सदस्य चीन, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान थे।

सदस्य राष्ट्र	नए सम्मिलित राष्ट्र	पर्यवेक्षक दर्जा प्राप्त राष्ट्र	वार्ता भागीदार राष्ट्र (Dialogue Partners)
कजाखस्तान	भारत	अफ़ग़ानिस्तान	अर्मेनिया
चीन	पाकिस्तान	बेलारूस	अज़र्बेजान
किर्गिस्तान		ईरान	कंबोडिया
रूस		मंगोलिया	श्री लंका
ताजिकिस्तान			तुर्की
उज्बेकिस्तान			नेपाल

B.2 ब्रिक्स

(BRICS)

ब्रिक्स का सातवाँ शिखर सम्मलेन रूस के उफा नगर में जुलाई 2015 में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *'दस कदम: टेन स्टेप्स फॉर द फ्यूचर'* नाम से एक दस सूत्रीय पहल का प्रस्ताव रखा। ब्रिक्स देशों के नेताओं ने उफा घोषणापत्र को अपनाया है।

ब्रिक्स के बारे में:

- "ब्रिक्स" नामक संक्षिप्तिकरण शुरू में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ 'नील, द्वारा 2001 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास की संभावनाओं पर एक रिपोर्ट में दिया गया था।

VISION IAS

- ब्रिक्स पांच प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं जिसमें दुनिया की आबादी का 43% सम्मिलित है, को एक मंच पर साथ लाना है। ब्रिक्स विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 37% तथा विश्व व्यापार में 17% हिस्सेदारी रखता है।

शिखर सम्मेलन	वर्ष	स्थान	महत्व
1.	जून 2009	येकाटेरिनबर्ग, रूस	
2.	अप्रैल 2010	ब्राजीलिया, ब्राजील	
3.	अप्रैल 2011	सान्या, चीन	पहली शिखर बैठक जिसमें मूल ब्रिक देशों के साथ दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हुआ।
4.	मार्च 2012	नई दिल्ली, भारत	ब्रिक्स केबल ने एक ऑप्टिकल फाइबर सबमरीन संचार केबल प्रणाली जो ब्रिक्स देशों के बीच दूरसंचार व्यवस्था उपलब्ध कराती है, की घोषणा की।
5.	मार्च 2013	डरबन, दक्षिण अफ्रीका	
7.	जुलाई, 2015	ऊफ़ा, रूस	SCO-EEU (अर्थात शंघाई सहयोग संगठन एवं यूरेशियन इकॉनोमिक यूनियन) के साथ संयुक्त शिखर सम्मेलन

- **8 वां ब्रिक्स सम्मेलन:** भारत 15-16 अक्टूबर 2016 को गोवा में ब्रिक्स के आँठवें वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी करेगा।
- अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत एक पांच सूत्रीय उपागम अपनाएगा जिसमें संस्था निर्माण, क्रियान्वयन, एकीकरण, नवाचार एवं समेकन के साथ निरंतरता (**Institution Building, Implementation, Integration, Innovation, and Continuity with Consolidation, IIIIC या I⁴C**) सम्मिलित है।

B.3. यूरेशियन आर्थिक संघ

(Eurasian Economic Union)

यूरेशियन आर्थिक संघ (EAEU या EEU) मुख्य रूप से उत्तरी यूरेशिया में स्थित राष्ट्रों का एक आर्थिक संघ है। EEU की स्थापना के लिए बेलारूस, कजाखस्तान और रूस के नेताओं ने एक संधि पर 29 मई 2014 को हस्ताक्षर किये थे, जो जनवरी 2015 से लागू हुई। भारत ने एक संयुक्त अध्ययन समूह (JSG) की स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी है जो EEU के साथ मुक्त व्यापार समझौते की व्यवहार्यता का अध्ययन करेगा।

VISION IAS

सदस्य राष्ट्र	अंतिम सम्मिलित राष्ट्र
अर्मेनिया बेलारूस कज़ाख़स्तान रूस	किर्गिस्तान

B.4. परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG)

[Nuclear Suppliers Group (NSG)]

परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) एक बहुराष्ट्रीय निकाय है जिसका संबंध परमाणु हथियारों के विकास के लिए उपयोग में लायी जा सकने वाली सामग्री के निर्यात और हस्तांतरण को नियंत्रित कर परमाणु प्रसार को कम करने साथ ही मौजूदा सामग्री की निगरानी और सुरक्षा में सुधार लाने से है।

- मई 1974 में भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण के प्रत्युत्तर में NSG की स्थापना की गई थी। नवंबर 1975 में इसकी पहली बैठक हुई।
- वर्तमान में NSG में 48 सदस्य हैं।
- चीन ने घोषणा की है कि वह परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत की सदस्यता का तब तक विरोध करेगा जब तक कि वह परमाणु अप्रसार संधि (NPT) पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत नहीं हो जाता।
- संयुक्त राष्ट्र के चार सदस्य देशों (अर्थात- **भारत, इजरायल, पाकिस्तान और दक्षिण सूडान)** ने अभी तक परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है।

B.5. परमाणु अप्रसार संधि (NPT)

(Non-Proliferation Treaty or NPT)

- परमाणु अप्रसार संधि एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों और हथियार प्रौद्योगिकी के प्रसार को रोकना, परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग को बढ़ावा देना और परमाणु नि:शस्त्रीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना है।
- 1968 में संधि को हस्ताक्षर के लिए सामने रखा गया और यह 1970 में लागू हुई। 11 मई 1995 से संधि को अनिश्चित काल के लिए प्रभावी बना दिया गया।
- भारत, इजरायल, पाकिस्तान और दक्षिण सूडान: ये चार देश ऐसे हैं जो संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं पर परमाणु अप्रसार संधि में कभी शामिल नहीं हुए।
- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य) को इस संधि के तहत परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र का दर्जा प्रदान किया गया है।

B.6. व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT)

(Comprehensive Nuclear Test Ban Treaty)

व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (**CTBT**) एक बहुपक्षीय संधि है जिसके द्वारा राष्ट्र सैन्य या असैन्य उद्देश्यों के लिए, सभी प्रकार के वातावरण में परमाणु विस्फोट पर प्रतिबंध लगाने पर सहमति

VISION IAS

व्यक्त करता हैं। यह 10 सितंबर 1996 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंगीकृत की गयी थी, लेकिन यह अभी तक आठ विशिष्ट राष्ट्रों द्वारा अनुसमर्थन नहीं दिए जाने के कारण लागू नहीं हो पायी है।

- **CTBT** अभी तक वैश्विक कानून नहीं बन पाया है क्योंकि इसके लागू होने के लिए ज़रूरी शर्तों में परमाणु प्रौद्योगिकी सक्षम सभी 44 देशों के हस्ताक्षर और अनुसमर्थन की आवश्यकता है।
- अनुसूची (annex) 2 के आठ देशों ने संधि की अभिपुष्टि (ratify) नहीं की है। चीन, मिस्र, ईरान, इजरायल और अमेरिका ने हस्ताक्षर किए हैं लेकिन अभिपुष्टि नहीं की है जबकि भारत, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किये है।
- "यथास्थिति संधि" (स्टैंडस्टिल अग्रीमेंट") परमाणु परीक्षण पर 1954 में जवाहर लाल नेहरू की प्रसिद्ध पहल है।
- नेहरू ने 1963 की सीमित परीक्षण प्रतिबंध संधि, जिसमें भारत भी शामिल हुआ था, के लिए अंतरराष्ट्रीय सहमति का निर्माण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- **CTBT** के लिए भारत की आपत्ति है कि पहले की परमाणु संधियों के जैसे हीं यह दुनिया को स्थायी रूप से **परमाणु "संपन्न और वंचित"** राष्ट्रों में विभाजित करती है।

B.7. मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था

[Missile Technology Control Regime (MTCR)]

मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (MTCR) 34 देशों के बीच एक अनौपचारिक और स्वैच्छिक साझेदारी है जो मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहन प्रौद्योगिकी जो कम से कम 300 किमी के लिए एक 500 किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम हो, के प्रसार को रोकने के लिए है।

- MTCR का गठन G-7 देशों (कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, और संयुक्त राज्य अमेरिका) द्वारा अप्रैल 1987 में किया गया था।
- भारत ने अक्टूबर 2015 में इसकी सदस्यता के लिए आवेदन किया था। इस पर विचार किये जाने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में संपन्न अमेरिका यात्रा के दौरान भारत की MTCR सदस्यता सुनिश्चित हो गयी है।

B.8. वासेनार व्यवस्था

(Wassenaar Arrangment)

- वासेनार व्यवस्था एक बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था (MECR) है जिसमें 41 राष्ट्र भागीदार हैं।
- उद्देश्य: परम्परागत हथियारों और दोहरे उपयोग वाले वस्तु और प्रौद्योगिकी के निर्यात पर नियंत्रण।
- 2013 में, वासेनार व्यवस्था में "इन्ट्रूज़न सॉफ्टवेयर" शामिल किया गया जो संभावी "निगरानी उपकरण" के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है या साइबर स्पेस में "protective countermeasures" को विफल करने से संबंधित है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर जो "सूचना प्राप्त करने" में मदद करते हैं उन्हें भी इस प्रतिबंधित श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।

B.9 ऑस्ट्रेलिया समूह

(Australia Group)

- ऑस्ट्रेलिया समूह विभिन्न देशों का एक अनौपचारिक समूह है (इसमें अब यूरोपीय आयोग भी जुड़ गया है) जिसकी स्थापना 1984 में इराक द्वारा रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के बाद 1985 में की गयी थी। इसका उद्देश्य सदस्य देशों को उन निर्यातों की पहचान करने में मदद करना है जिन्हें नियंत्रित किये जाने की आवश्यकता है ताकि रासायनिक और जैविक हथियारों के प्रसार को रोका जा सकें।
- इसमें 42 सदस्य हैं जिनमें OECD के सभी सदस्य देश, यूरोपीय आयोग तथा यूरोपीय संघ के सभी 28 सदस्य देशों सहित यूक्रेन और अर्जेंटीना भी शामिल हैं। संगठन का यह नाम इसलिए है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने यह समूह बनाने के लिए पहल की थी। ऑस्ट्रेलिया ही इस संगठन के सचिवालय का प्रबंधन देखता है।

B.10 चतुर्थ नाभिकीय सुरक्षा सम्मेलन (NSS)

[Fourth Nuclear Security Summit (NSS)]

अमेरिकी राष्ट्रपति ने वॉशिंगटन में चौथे नाभिकीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन की मेजबानी की।

पृष्ठभूमि

- नाभिकीय सुरक्षा सम्मेलन, अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा की गयी एक पहल है जिसके द्वारा आतंकी संगठनों तक नाभिकीय हथियारों और नाभिकीय पदार्थों की पहुँच को रोकने के लिए हो रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समन्वयन किया जा रहा है।
- ऐसा पहला सम्मलेन 2010 में वॉशिंगटन DC में हुआ था तथा इसके उपरांत 2012 में सियोल और 2014 में 'द हेग' में यह सम्मेलन हुआ।

NSS को भारत का योगदानः

- भारत ने इन शिखर सम्मेलनों में सक्रिय भूमिका निभाई है।
- भारत ने 'नाभिकीय सुरक्षा कोष' में दो मिलियन डॉलर का स्वैच्छिक योगदान दिया है।
- नई दिल्ली में 'ग्लोबल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर न्यूक्लियर एनर्जी पार्टनरशिप (GCENEP)' की स्थापना की गयी है।

B.11 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार

(UNSC Reform)

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से सुरक्षा परिषद के सुधारों के लिए वार्ता प्रारंभ की हैं। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार हेतु निर्णय लिया गया और इस अंतर-सरकारी बातचीत की प्रक्रिया को एक आधिकारिक दस्तावेज के माध्यम से संपन्न किया गया।

- चार देशों के समूह या जी-4 शिखर सम्मेलन जो एक दशक के बाद आयोजित किया गया, की मेजबानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई। ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान के नेताओं ने "एक निश्चित समय सीमा में" संयुक्त राष्ट्र में तत्काल सुधारों का आह्वान किया।

VISION IAS

- आम सहमति के लिए एकजुट (**Uniting for Consensus,** यूएफसी) एक समूह है, जो कॉफी क्लब के उपनाम से प्रसिद्ध है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संभावित विस्तार के विरोध में 1990 के दशक में इसे प्रारंभ किया गया था।

B.12 जी-20 शिखर वार्ता 2015

(G-20 Summit 2015)

जी-20 शिखर सम्मेलन के संबंध में :

- जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर वैश्विक सहयोग के लिए 19 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ के प्रमुखों का एक फोरम है।
- अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इण्डोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यू.के., यू.एस.ए. और यूरोपीय संघ जी-20 के सदस्य हैं।
- **जी-20 शिखर सम्मेलन 2015:** जी-20 के नेताओं ने अंताल्या, तुर्की में 15-20 नवम्बर 2015 को मुलाकात की।

B.13 APEC शिखर सम्मेलन, 2015

(APEC Summit, 2015)

- एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) के वित्त विभागीय नेताओं का शिखर सम्मेलन (Economic Leaders Meeting Of the APEC) फिलिपीन्स के मनीला शहर में 18 से 19 नवम्बर, 2015 के बीच सम्पन्न हुआ।
- भारत रणनीतिक, राजनयिक और आर्थिक कारणों से लम्बे समय से APEC फोरम की सदस्यता की मांग कर रहा है।
- भारत की भौगोलिक सीमा प्रशांत क्षेत्र में अवस्थित नहीं है इसलिए यह समूह नई दिल्ली की भागीदारी को संगठन के भौगोलिक सीमा वाले मानदंड के विपरीत मानता है।
- भौगोलिक तर्क के अतिरिक्त, APEC की सदस्यता के स्थगन के कारण भारत की सदस्यता का प्रश्न कुछ समय तक गंभीरतापूर्वक नहीं उभरा था। यह स्थगन 1997 में दस वर्ष के लिए लागू हुआ था और इसे 2007 में पुन: तीन अतिरिक्त वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया था।
- **एपेक के बारे में:** APEC 21 प्रशांत रिम सदस्य अर्थव्यवस्थाओं से मिल कर बना है। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक मंच है। इसकी स्थापना 1989 में एशिया-प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती आपसी निर्भरता और दुनिया के अन्य भागों में क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉकों के आगमन के प्रत्युत्तर के रूप में हुई थी।
- **मुख्यालय**: सिंगापुर
- **सदस्य अर्थव्यवस्थायें:** ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दरुस्सलाम, कनाडा, चिली, चीन, हांगकांग (चीन), इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, पेरू, फिलीपींस, रूस, सिंगापुर, चीनी ताइपे, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, वियतनाम।

VISION IAS

B.14. नाभिकीय क्षति के लिए अनुपूरक क्षतिपूर्ति (CSC)

(supplementary compensation for nuclear damage)

भारत ने वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के नाभिकीय क्षति के लिए अनुपूरक क्षतिपूर्ति कन्वेंशन (CSC) का अनुमोदन किया।

भारत के लिए लाभ:

- **यह विदेशी परमाणु उपकरण आपूर्तिकर्ताओं की चिंताओं** का ध्यान रखता है।
- भारत एक **वैश्विक विधिक शासन** का भाग बन गया है।
- अब भारत के लिए **अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण** उपलब्ध हो जायेगा।

इस कन्वेंशन के संबंध में:

अनुपूरक क्षतिपूर्ति कन्वेंशन (सी.एस.सी.) को 12 सितम्बर 1997 को, परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व पर वियना कन्वेंशन में संशोधन करने हेतु प्रोटोकॉल के साथ अंगीकृत किया गया था और यह 15 अप्रैल, 2015 को लागू हुआ।

- अनुपूरक क्षतिपूर्ति कन्वेंशन एक ऐसा कन्वेंशन है जो **किसी परमाणु घटना की स्थिति में** जमा किए गए **सार्वजनिक धन के माध्यम से क्षतिपूर्ति राशि बढ़ाने** की अनुमति देता है।
- यह किसी अप्रत्याशित परमाणु दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों को क्षतिपूर्ति प्रदान करने के लिए एक **समान वैश्विक विधिक प्रशासन स्थापित करना** चाहता है।
- अनुपूरक क्षतिपूर्ति कन्वेंशन पीड़ितों को क्षतिपूर्ति प्रदान करने हेतु उपलब्ध राशि को बढ़ाने के लिए एक **अंतरराष्ट्रीय कोष** की स्थापना का प्रावधान करता है और **किसी राज्य के विशेष आर्थिक जोन के अंतर्गत पर्यटन की हानि या मत्स्य पालन से संबंधित आय की हानि सहित** नागरिक सम्पत्ति को होने वाली किसी भी क्षति के लिए क्षतिपूर्ति प्रदान करने की अनुमति देता है।

भारत के कदम की आलोचना:

कई परमाणु विशेषज्ञों का यह मानना है कि यह कदम नाभिकीय क्षति के लिए घरेलू नागरिक दायित्व अधिनियम (Civil Liability for Nuclear Damage Act), 2010, के खंड 17(1) (B) और 46 का उल्लंघन करता है।

- अनुच्छेद 17(b) के अंतर्गत, विशेष रूप से जब दुर्घटना आपूर्तिकर्ता या उसके किसी कर्मचारी के कृत्य के कारण हुई हो तो नाभिकीय **दुर्घटना के दायित्व को संचालनकर्ता से नाभिकीय सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं पर स्थानांतरित** किया जा सकता है।
- अनुच्छेद 46 नाभिकीय घटना के पीड़ितों को **संचालक या आपूर्तिकर्ता पर क्षतिपूर्ति हेतु क्षति** कानून का प्रयोग कर मुकदमा करने की अनुमति देता है।

B.15 खाड़ी सहयोग परिषद (GULF COOPERATION COUNCIL)

(GCC summit 2015)

- खाड़ी क्षेत्र के अरब देशों के सहयोग परिषद को 'खाड़ी सहयोग परिषद' (GCC) के रूप में जाना जाता है, जो **इराक को छोड़कर** फारस की खाड़ी के सभी देशों का एक अंतरसरकारी, राजनीतिक और आर्थिक संघ है।

VISION IAS

- इसके सदस्य देश बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं।
- GCC शिखर सम्मेलन 2015 में **रियाद** में आयोजित किया गया था।
- शिखर सम्मेलन छह देशों के जीसीसी के लिए ऐसे महत्वपूर्ण समय हुआ है जब सऊदी नीत गठबंधन यमन में विद्रोहियों के साथ बमबारी **(Operation Decisive Storm)** कर रहा था तथा इस्लामी उग्रवादियों और ईरान के साथ संभावित अंतिम परमाणु करार पर क्षेत्रीय चिंता व्यक्त की जा रही थी।
- मुख्यालय - रियाद, सऊदी अरब

B.16 विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

(World Health Organization)

- **तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के फ्रेमवर्क कन्वेंशन (WHO FCTC)** 21 मई 2003 को 56 वीं विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा अपनायी गयी एक संधि है। यह WHO के संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत पहली विश्व स्वास्थ्य संगठन संधि है।
- भारत उन कुछ देशों में है जिसने तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के फ्रेमवर्क कन्वेंशन (WHO FCTC) की 2004 में अभिपुष्टि की है।

B.17 यूरो

(The Euro)

- यूरो, यूरोजोन की आधिकारिक मुद्रा है जिसमें यूरोपीय संघ के 28 सदस्य देशों में से 19 शामिल हैं।
- यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) यूरो के लिए केंद्रीय बैंक है और यूरोजोन के लिए मौद्रिक नीति का संचालन करता है जिसमें यूरोपीय संघ के 19 सदस्य राष्ट्र शामिल हैं। (यह दुनिया के सबसे बड़े मुद्रा क्षेत्रों में से एक है।) यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रीय बैंकों में से एक है और यूरोपीय संघ (EU) के यूरोपीय संघ पर संधि (EUT) में सूचीबद्ध सात संस्थानों में से एक है।

B.18 पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक OPEC)

[Organization of the Petroleum Exporting Countries (OPEC)]

- ओपेक 1960 में स्थापित 13 देशों का एक अंतर-सरकारी संगठन है।
- मुख्यालय: वियना, आस्ट्रिया
- सदस्य: 13 राज्य
- प्रकार: अंतरराष्ट्रीय कार्टेल (Cartel)
- संगठन के सदस्य:
  - **मध्य पूर्व:** ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात,
  - **एशिया:** इंडोनेशिया
  - **अफ्रीका:** लीबिया, अल्जीरिया, नाइजीरिया, अंगोला
  - **दक्षिण अमेरिका:** वेनेजुएला, इक्वाडोर

B.19 अरब लीग

(The Arab League)

अरब लीग, जिसे औपचारिक रूप से, लीग ऑफ़ अरब स्टेट्स कहा जाता है; जो उत्तरी अफ्रीका, हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका और अरेबिया में एवं उसके आस-पास स्थित अरब देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है।

प्रशासनिक केन्द्र	काहिरा (Cairo)
कार्यालयी भाषा	अरबी
सदस्य	22 देश

सदस्य: अल्जीरिया, बहरीन, कोमोरोस, जिबूती, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मॉरिटानिया, मोरक्को, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सउदी अरब, सोमालिया, सूडान, सीरिया, ट्यूनीशिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन ।

अरब लीग ने औपचारिक रूप से लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को एक आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

शिखर सम्मेलन 2015: शर्म अल-शेख (मिस्र)

अरब शिखर सम्मेलन में औपचारिक रूप से यमन में ईरान समर्थित शिया विद्रोहियों को हराने के लिए एक **संयुक्त अरब हस्तक्षेप बल** उपयोग करने की योजना का अनावरण किया गया।

B.20 इस्लामी सहयोग संगठन

[The Organisation of Islamic Cooperation (OIC)]

इस्लामी सहयोग संगठन 1969 में 57 सदस्य राज्यों द्वारा स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। संगठन के बारे में कहा गया है कि यह "मुस्लिम जगत की सामूहिक आवाज" है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की भावना से मुस्लिम जगत के हितों की रक्षा एवं संरक्षण करने के लिए काम करता है।

प्रशासनिक केन्द्र	जेद्दाह, सऊदी अरब
कार्यालयी भाषा	अरबी, अंग्रेजी और फ्रेंच
सदस्य	57 सदस्य देश

13 वाँ शिखर सम्मेलन: अप्रैल 2016 (इस्तांबुल, तुर्की)

- 13 वें शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम इस्तांबुल में एक आतंकवाद विरोधी केंद्र का सृजन करने का निर्णय है जिसको 'इस्लामी इंटरपोल' बुलाया जाएगा।
- भारत ने OIC द्वारा 'जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए बड़े पैमाने पर किये जा रहे आंदोलन' को समर्थन देने पर प्रश्न खड़ा किया है।

VISION IAS

B.21 बिम्सटेक (BIMSTEC)

(BIMSTEC)

- बिम्सटेक दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के समूहों को शामिल करने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। ये देश है: बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान और नेपाल।
- केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने बिमस्टेक अर्थात **'बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन'** (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) के आपराधिक मामलों में पारस्परिक विधिक सहयोग पर अभिसमय (**Convention on Mutual Legal Assistance in Criminal Matters**) से संबंधित पहल पर हस्ताक्षर करने एवं उसकी अभिपुष्टि के लिए अपनी सहमति प्रदान कर दी है।
- **मुख्यालय : ढाका**
- तीसरा बिम्सटेक सम्मलेन- **नाएप्यीडॉ (म्यांमार)**

B.22 मेकांग-गंगा सहयोग (MGC)

[The Mekong-Ganga Cooperation (MGC)]

मेकांग-गंगा सहयोग (MGC) की स्थापना 10 नवम्बर 2000 को लाओस की राजधानी वियानतियेन में इसके पहले मंत्री स्तरीय सम्मेलन में हुई।

इसमें छः देश भारत, थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। इस क्षेत्र में भविष्य में व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग के ठोस नींव हेतु सहयोग के चार क्षेत्रों पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा व परिवहन लिंकेज पर बल दिया गया है। इस संगठन को यह नाम इस क्षेत्र की गंगा और मेकांग दो बड़ी नदियों से मिला है।

B.23 हिंद महासागर रिम संघ (The Indian Ocean Rim Association)

[The Indian Ocean Rim Association (IORA)]

हिंद महासागर रिम संघ (IORA), जो पहले इंडियन ओसियन रिम इनिशिएटिव और क्षेत्रीय सहयोग के लिए हिंद महासागर रिम संघ (IOR-ARC) के रूप में जाना जाता था, हिन्द महासागर की तटीय सीमा के राज्यों से मिलकर बना अंतरराष्ट्रीय संगठन है।

यह आर्थिक सहयोग विशेष रूप से व्यापार सुविधा और निवेश संवर्धन के साथ ही क्षेत्र के सामाजिक विकास को मजबूत बनाने के लिए खुले क्षेत्रवाद के सिद्धांत पर आधारित है।

मुख्यालय	Ebene Cyber City, मॉरीशस
सदस्य	21 देश

VISION IAS

सेक्रेटरी जनरल	के वी भागीरथ (भारत)

ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश कोमोरोस भारत इंडोनेशिया	ईरान केन्या मेडागास्कर मलेशिया मॉरीशस सोमालिया	मोजाम्बिक ओमान सेशेल्स सिंगापुर	दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका तंजानिया थाईलैंड संयुक्त अरब अमीरात यमन

B.24 सार्क (SAARC)

(SAARC)

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) दक्षिण एशिया का एक क्षेत्रीय अंतर सरकारी संगठन और भू-राजनीतिक संघ है। सार्क के अंतर्गत, 2015 में दुनिया के क्षेत्रफल का 3%, आबादी का 21% और वैश्विक अर्थव्यवस्था का 9.12% हिस्सा शामिल है।

सार्क ढाका में 1985 में स्थापित किया गया था। इसका सचिवालय काठमांडू में स्थित है। यह संगठन विकास अर्थशास्त्र और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देता है।

सेक्रेटरी जनरल	**अर्जुन बहादुर थापा**

इसके सदस्य देशों में बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल, मालदीव, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। अफगानिस्तान अप्रैल 2007 में आठवें सदस्य देश के रूप में सार्क में शामिल हुआ।

पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त देश: ऑस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपीय संघ, ईरान, जापान, मॉरीशस, म्यांमार, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका।

सार्क शिखर सम्मलेन

	दिनांक	देश	मेज़बान देश	मेज़बान नेता
1st	7–8 दिसंबर1985	बांग्लादेश	ढाका	अताउर रहमान खान
2nd	16–17 नवम्बर 1986	भारत	बंगलौर	राजीव गाँधी
8th	2–4 मई 1995	भारत	नई दिल्ली	पी वी नरसिम्हा राव
14th	3–4 अप्रैल 2007	भारत	नई दिल्ली	मनमोहन सिंह
18th	26–27 नवम्बर 2014	भारत	काठमांडू	सुशील कोइराला
19th	(To be announced) 2016	पाकिस्तान	इस्लामाबाद	नवाज़ शरीफ़

VISION IAS

B.25 आसियान

(ASEAN)

आसियान (Association of Southeast Asian Nations) 10 दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक संगठन है। इसका सृजन 8 अगस्त 1967 को इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपिंस, सिंगापुर और थाईलैंड द्वारा किया गया।

सचिवालय	जकार्ता
सदस्य (10 देश)	ब्रूनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपिंस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम। पर्यवेक्षक: पापुआ न्यू-गिनी, तिमोर-लेस्टे

आसियान औपचारिक सम्मेलन

26th	26-27 अप्रैल 2015	मलेशिया	लंगकावी
27th	18-22 नवम्बर 2015	मलेशिया	कुआलालम्पुर

B.26 पूर्वी एशिया शिखर सम्मलेन

[East Asia Summit (EAS)]

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, एक पैन-एशियाई मंच है जो पूर्वी एशियाई क्षेत्र के अठारह देशों के नेताओं के साथ आसियान के नेतृत्व में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
शुरू में इसकी सदस्यता आसियान के सभी दस सदस्यों के साथ चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के लिए थी, लेकिन 2011 में छठे पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन में संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस को शामिल कर विस्तार किया गया था।

B.27 आसियान क्षेत्रीय मंच

[The ASEAN Regional Forum (ARF)]

आसियान क्षेत्रीय फोरम एशिया प्रशांत क्षेत्र में एक औपचारिक, सरकारी, बहुपक्षीय संवाद मंच है। जुलाई 2007 तक इसमें 27 प्रतिभागी थे। आसियान क्षेत्रीय मंच का उद्देश्य बातचीत और विचार-विमर्श को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में विश्वास बहाली और **निवारक कूटनीति** (Preventive Diplomacy) को बढ़ावा देना है।

ARF की पहली बैठक 1994 में हुई थी। आसियान क्षेत्रीय मंच के वर्तमान प्रतिभागी हैं: आसियान के सभी सदस्य, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, मंगोलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, पापुआ न्यू गिनी, रूस, पूर्वी तिमोर, संयुक्त राज्य अमेरिका और श्रीलंका।

VISION IAS

आसियान प्लस थ्री आसियान, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के मध्य संपन्न बैठक है। यह मुख्य रूप से प्रत्येक आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित की जाती है।

एशिया-यूरोप बैठक (ASEM) 1996 में शुरू एक अनौपचारिक वार्ता प्रक्रिया है जो यूरोप और एशिया के कुछ देशों, विशेष रूप से यूरोपीय संघ और आसियान के सदस्यों के बीच सहयोग को मजबूत करने के इरादे से शुरू की गयी।

B.28. जी-7

(G7)

G7 कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका से मिलकर बना एक समूह है। यूरोपीय संघ का भी G-7 में प्रतिनिधित्व है।

41वाँ सम्मेलन	7–8 जून 2015	जर्मनी	यह शिखर सम्मेलन वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ ही विदेशी सुरक्षा और विकास नीति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए समर्पित किया गया। Global Apollo Programme भी इसके एजेंडे में था।
42वाँ सम्मेलन	26–27 मई 2016	जापान	

B.29 संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद

(UN Human Rights Council)

भारत के सूर्य देव को मानव अधिकार और बहुराष्ट्रीय निगमों और अन्य व्यावसायिक उद्यमों के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के कार्य समूह के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में जिनेवा स्थित UNHRC द्वारा नियुक्त किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के बारे में

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के अंतर्गत एक अंतर-सरकारी निकाय है जिसके 47 सदस्य राज्य (संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा निर्वाचित) दुनिया भर में मानवाधिकारों की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार हैं।
- **Choi Kyong-lim** मानवाधिकार परिषद के अध्यक्ष हैं।

B.30 WOMEN-20

- G-20 के तत्वावधान में W-20 भागीदारी समूह लैंगिक समानता और लिंग समावेशिता को बढ़ावा देने तथा अनिवार्य रूप से मजबूत, टिकाऊ और संतुलित वैश्विक विकास की प्रवृत्ति की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करने पर केंद्रित है।

VISION IAS

- यह G-20 में तुर्की की अध्यक्षता की अवधि में सृजित की गयी है। इसका मुख्य विषय महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ भागीदारी समूह द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था के अंतर्गत लिंग समावेशिता के बारे में समकालीन चुनौतियों पर नियंत्रण पाने पर ध्यान देना है।

B.31 एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB)

[Asian Infrastructure Investment Bank (AIIB)]

एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्था है जिसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अवसंरचना निर्माण में सहयोग करना है।

- चीन के शीर्ष विधान मंडल ने 4 नवम्बर 2015 को एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक समझौते का अनुमोदन किया जो बैंक के विधिक ढांचे की स्थापना करता है।
- भारत AIIB का संस्थापक सदस्य है।

सृजन	16 जनवरी 2016 (कारोबार प्रारंभ) 25 दिसम्बर 2015 (समझौते के प्रावधान लागू)
प्रकार	क्षेत्रीय निवेश बैंक
वैधानिक स्थिति	संधि
प्रयोजन	क्रेडिट देना
मुख्यालय	बीजिंग, चीन
सेवित क्षेत्र	एशिया और ओशिनिया
सदस्यता	37 संस्थापक सदस्य

B.32. अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिषद

(International Maritime Council)

लंदन में संपन्न अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) सभा के 29वें सत्र में भारत को IMO की समिति में श्रेणी "बी" के अंतर्गत, पुन: निर्विरोध निर्वाचित किया गया है।

आई.एम.ओ. संबंधी तथ्य:

- IMO संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है। इस पर नौवहन की सुरक्षा, संरक्षा तथा जलयानों द्वारा होने वाले महासागरीय प्रदूषण की रोकथाम का उत्तरदायित्व है।
- **IMO का मुख्यालय लंदन (यूनाइटेड किंगडम) में है।** इसमें 171 सदस्य राष्ट्र और तीन सहयोगी सदस्य हैं।

VISION IAS

B.33. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्

(UNSC)

- संयुक्त राष्ट्र चार्टर (Article 27) निर्दिष्ट करता है कि गैर-प्रक्रियात्मक मामले (non-procedural matters) तभी अंगीकृत किये जाएंगे यदि परिषद के पंद्रह सदस्यों (पी 5 + 10) में से नौ या उससे अधिक ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है और पांच स्थायी सदस्यों में से किसी ने वीटो का प्रयोग नहीं किया है।
- "प्रक्रियात्मक मामलों" पर मसौदा प्रस्तावों को परिषद के किन्हीं भी नौ सदस्यों द्वारा सकारात्मक वोट के आधार पर अपनाया जा सकता है।

B.34. सागरीय विधि पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS)

[United Nations Convention on the Law of the Sea (UNCLOS)]

सागरीय विधि पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS) जिसे समुद्र के कानून पर अभिसमय या सागर संधि कानून भी कहा जाता है, एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो समुद्र के कानून पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCLOS-III) के परिणामस्वरुप बना। यह सम्मलेन 1973 से 1982 के बीच हुआ।

अंतर्देशीय जल: यह आधार रेखा से भूमि की ओर के समस्त जल एवं जलमार्गों को समाहित करता है| तटीय राज्य इसके लिए कानून बनाने, उपयोग को विनियमित करने और संसाधनों के उपयोग के लिए स्वतंत्र है| अंतर्देशीय जल में विदेशी जहाजों को प्रवेश का कोई अधिकार नहीं है|

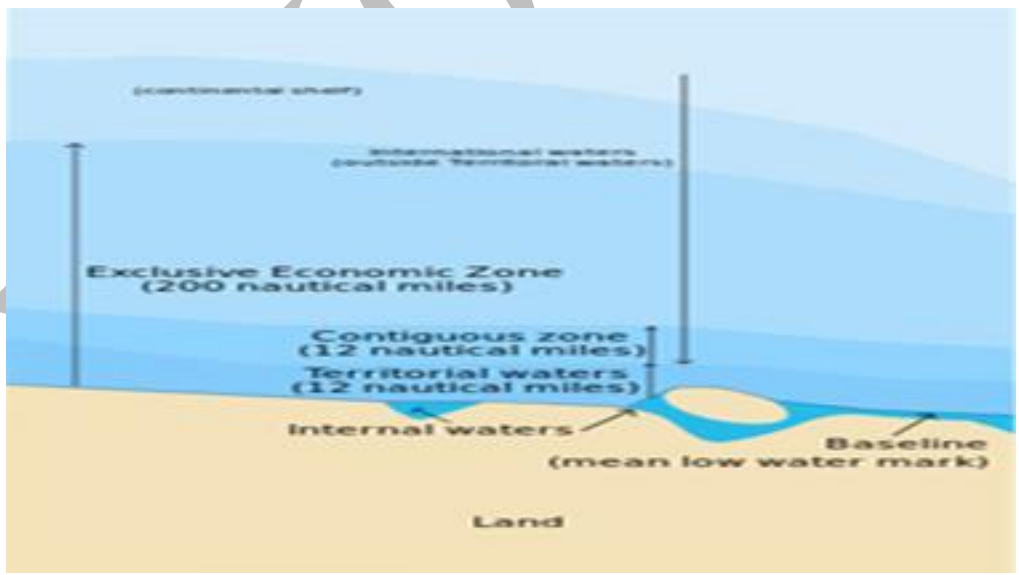

क्षेत्रीय जल (Territorial waters): आधार रेखा से 12 समुद्री मील (नॉटिकल मील) तक तटीय राज्य कानून बनाने, उपयोग को विनियमित करने और संसाधनों के उपयोग के लिए स्वतंत्र है| इसमें विदेशी जहाजों को निश्छल गमन (innocent passage) का अधिकार है|

समीपवर्ती क्षेत्र (Contiguous zone): आधार रेखा से 12 नॉटिकल मील सीमा के पश्चात 12 नॉटिकल मील की तक के क्षेत्र को समीपवर्ती क्षेत्र कहा जाता है, यदि राज्य क्षेत्र या जलीय क्षेत्र में

अतिक्रमण प्रारंभ होता है या यदि राज्य क्षेत्र या जलीय क्षेत्र में अतिक्रमण होने वाला हो तो राज्य चार प्रमुख क्षेत्रों में कानून बना सकते हैं: सीमा शुल्क, कराधान, आव्रजन और प्रदूषण| यह समीपवर्ती क्षेत्र को Hot pursuit area बना देता है|

अनन्य आर्थिक क्षेत्र (Exclusive economic zones (EEZs)): इसका विस्तार आधार रेखा से 200 नॉटिकल मील (370 किमी; 230 मील) तक होता है| इस क्षेत्र के भीतर तटीय राष्ट्र सभी प्राकृतिक संसाधनों पर अपना अधिकार रखता है।

महाद्वीपीय शेल्फ/मग्नतट (Continental shelf): महाद्वीपीय शेल्फ को महाद्वीपीय सीमान्त के बाह्य किनारे के भूमि क्षेत्र के प्राकृतिक विस्तार के रूप में, या तटीय राज्य की आधार रेखा से 200 समुद्री मील (370 किमी), जो भी अधिक हो, के रूप में परिभाषित किया गया है। तटीय राज्य का अपने महाद्वीपीय शेल्फ की अधोभूमि से खनिज और निर्जीव पदार्थ के उत्खनन पर अनन्य अधिकार है। साथ ही तटीय राज्यों को महाद्वीपीय शेल्फ से संलग्न जैव संसाधनों पर भी अनन्य नियंत्रण है, लेकिन अनन्य आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जैविक संसाधनों पर अधिकार नहीं है।

B.35. समुद्री कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण (आईटीएलओएस)

[International Tribunal for the Law of the Sea (ITLOS)]

समुद्र कानून पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र कांफ्रेंस के अधिदेश के द्वारा निर्मित समुद्र कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण (ITLOS) एक अंतर-सरकारी संगठन है। यह UNCLOS द्वारा स्थापित किया गया था जिस पर 10 दिसंबर 1982 को मोंटेगो खाड़ी (Montego Bay) पर हस्ताक्षर किये गए।

- इसका मुख्यालय जर्मनी के हैम्बर्ग में है|
- न्यायालय सदस्य देशों के बीच हुए विवाद को सुलझाने का अधिकार रखता है |

B.36. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) सुधार

(IMF Reform)

सुधारों के मूलभूत बिंदु:

- **कोटे के 6% से अधिक पॉइंट्स**, जिसमें IMF की पूंजी और उसके अनुपातिक मताधिकार सम्मिलित हैं, विकसित अर्थव्यवस्थाओं से विकासशील अर्थव्यवस्थाओ को स्थानांतरित कर दिए गए हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) के प्रशासनिक ढांचे में उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं ने अधिक प्रभाव प्राप्त किया है।
- **भारत का मताधिकार वर्तमान के 2.3 से बढ़कर 2.6 प्रतिशत** एवं चीन का 3.8 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत हो गया है।
- पहली बार चार उभरती बाजार अर्थव्यवस्थायें (ब्राजील, चीन, भारत और रुस) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के 10 सबसे बड़े सदस्यों में सम्मिलित होंगे।
- इसके अतिरिक्त पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का बोर्ड संपूर्ण रूप से, निर्वाचित कार्यकारी अधिकारियों से मिलकर निर्मित होगा, इस प्रकार इसमें नियुक्त किए गए (appointed)

कार्यकारी अधिकारियों के संबंध में निवर्तमान प्रावधान समाप्त हो जायेंगें। वर्तमान में सर्वाधिक कोटा वाले पांच सदस्यों में से प्रत्येक सदस्य एक कार्यकारी अधिकारी की नियुक्त करता है।

- भारत का कोटा वर्तमान के 2.44 से बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गया है।

एस.डी.आर. (SDR) क्या है?

SDR एक अंतरराष्ट्रीय आरक्षित परिसंपत्ति है, जिसका निर्माण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा 1969 में अपने सदस्य देशों के सरकारी भंडार के पूरक के रूप में किया गया था। इसका मूल्य वर्तमान में चार मुख्य मुद्राओं (संयुक्त राज्य अमेरिका का डॉलर, यूरो, जापानी येन, एवं पौंड स्टर्लिंग) के समूह पर आधारित है, और इस समूह को पांचवीं मुद्रा के रूप में चीनी रॅन्मिन्बी (RMB) को सम्मिलित करने के लिए विस्तारित किया जाएगा, जो 1 अक्टूबर 2016 से प्रभावी होगा।

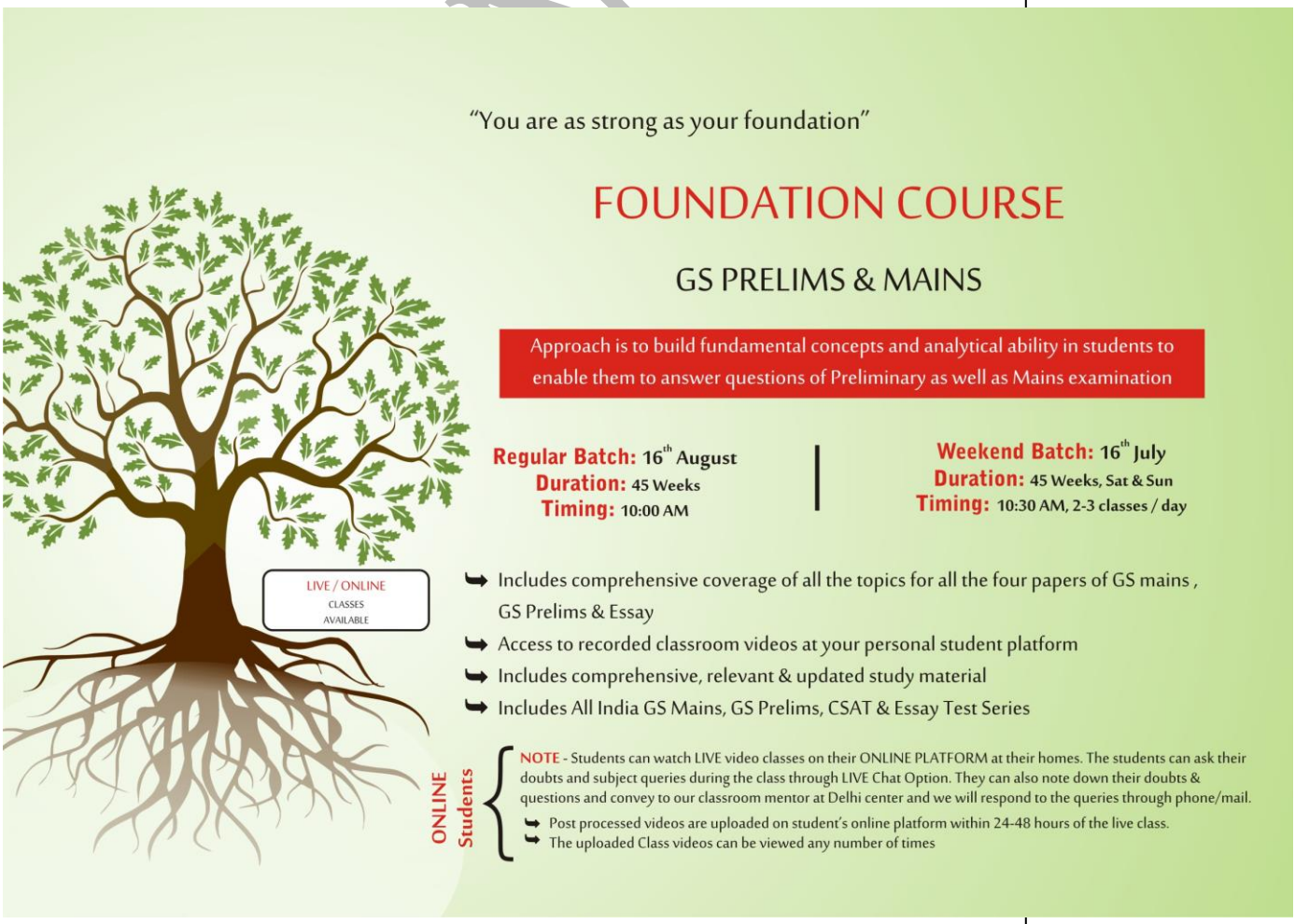

C. अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

C.1. ईरान परमाणु समझौता

(Iran Nuclear Deal)

ईरान और P5+1 समूह - यू.एस, यू.के., फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी, ईरान (तेहरान) के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते पर पहुंचे।

C.2. चीन - पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना

[China – Pakistan Economic Corridor (CPEC) Project]

- हाल ही में चीन और पाकिस्तान ने **चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना** (CPEC) को लागू करने के लिए 20 और समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- यह पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी शहर **ग्वादर** और चीन के उत्तर-पश्चिमी स्वायत्त प्रदेश **शिनजियांग** को राजमार्ग और रेलमार्ग नेटवर्क से जोड़ेगा।

C.3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क

(Sendai Framework for Disaster Risk Reduction)

- "आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क 2015-2030" को मार्च 2015 में सेंडाइ (जापान) में आयोजित **आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर संयुक्त राष्ट्र के तीसरे विश्व सम्मेलन** के दौरान अपनाया गया।
- सेंडाइ फ्रेमवर्क को **ह्योगो फ्रेमवर्क एक्शन(HFA) 2005-2015** के परवर्ती संस्करण के रूप में अपनाया गया है।

C.4 म्यांमार में लोकतांत्रिक परिवर्तन

(Democratic Transition in Myanmar)

50 वर्षों बाद पहली बार एक असैनिक राष्ट्रपति के रूप में **हेतन क्यॉ (Htin Kyaw)** ने म्यांमार के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है।

- हितन क्यॉ की सरकार, 1962 में सेना द्वारा सत्ता अधिग्रहण के पश्चात् सर्वाधिक लोकतांत्रिक सरकार होगी।
- सुश्री 'सू की' की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (NLD) ने संसद की 77% निर्वाचित सीटें जीती। किन्तु एक संवैधानिक प्रावधान के अनुसार उन्हें सरकार का नेतृत्व नहीं प्रदान किया जा सकता, क्योंकि उनके बेटे ब्रिटिश नागरिक हैं न कि म्यांमार के नागरिक ।
- Union Solidarity and Development Party (USDP), जिसमें सैन्य और सिविल सेवकों का प्रभुत्व है, NLD की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी।
- 2008 के संविधान के अनुसार ऊपरी और निचले सदन Hluttaw (प्रतिनिधि सभा) की 25 प्रतिशत सीटों पर सेना द्वारा मनोनयन किया जाएगा।

VISION IAS

C.5. नेपाल में प्रथम लोकतांत्रिक संविधान अंगीकृत

(Nepal Adopts First Democratic Constitution)

नेपाल ने अपना प्रथम लोकतांत्रिक संविधान अंगीकृत किया है।

- संविधान में नेपाल को एक **धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र** घोषित किया गया है।
- संघीय व्यवस्था: नेपाल को एक संघीय राष्ट्र घोषित किया गया, जिसके अंतर्गत सात प्रांत होंगे।
- नेपाल का नया संविधान "अधिकार दिए जाने की व्यवस्था" पर आधारित है।

नेपाल-चीन

- नेपाल और चीन ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसके अंतर्गत इस हिमालयी-राष्ट्र को चीन पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति करेगा। यह समझौता मधेशियों (मैथिली, अवधि, भोजपुरी और हिंदी बोलने वाले नेपाली) द्वारा नेपाल के नए संविधान को लेकर उत्पन्न अशांति के कारण भारत से जुड़े सड़क मार्गों की नाकाबंदी से पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा पहुचाने के पश्चात् हुआ है।
- चीन से **पारगमन समझौता**: चीन नेपाल को किसी तीसरे देशों से आयातित माल के पारगमन के लिए तिआनजिन बंदरगाह के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है।
- वर्तमान में नेपाल का किसी तीसरे देश के साथ व्यापार का 98 प्रतिशत भारत (कोलकाता बंदरगाह) के माध्यम से होता है।

C.6 नैनिंग-सिंगापुर आर्थिक गलियारा

("NANNING - SINGAPORE ECONOMIC CORRIDOR")

- नैनिंग-सिंगापुर आर्थिक गलियारे के निर्माण के लिए "**नैनिंग आमसहमति (Nanning Consensus)**" बनी है। इसे औपचारिक रूप से चीन-हिंद-चीन प्रायद्वीप अंतर्राष्ट्रीय गलियारा भी कहा जाता है ।
- इस पहल का प्रमुख उद्देश्य आठ बड़े नगरों के बीच आर्थिक एकीकरण की स्थापना करना है। इन आठ बड़े नगरों के अंतर्गत सिंगापुर, कुआलालंपुर, बैंकॉक, नामपेन्ह, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम, हनोई तथा नैनिंग सम्मिलित हैं।

C.7 सतत विकास लक्ष्य (SDGs)

(Sustainable Development Goals)

संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर प्रमुख वैश्विक समस्यायों से निपटने के लिए अभी तक के सबसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रयास द्वारा अगले 15 वर्षों में गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक लक्ष्यों के एक नए सेट को अपनाया है।

- SDGs वैश्विक सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से 17 goals और 169 targets का एक समुच्चय है।
- सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य (MDG) जिन्हे 2000 में अपनाया गया , उनकी अवधि 2015 में समाप्त हो गयी । सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य (MDG) के स्थान पर SDGs की शुरुआत 1 जनवरी, 2016 को की गयी जिन्हें अगले 15 वर्षों में प्राप्त करने का लक्ष्य है।

C.8 यूनेस्को पुरस्कार

(UNESCO Award)

भारत ने **केरल के भव्य श्री वड़ाक्कुनाथन मंदिर** के उल्लेखनीय संरक्षण प्रयासों के लिए वर्ष 2015 का यूनेस्को का शीर्ष पुरस्कार *'उत्कृष्टता पुरस्कार (award of excellence)'* जीता है।

C.9 व्हाइट हाउस पदक

(White House medal)

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने **"अलगाव और अपनेपन की उन कहानियों को बेहद खूबसूरती से शब्द देने" (beautifully wrought narratives of estrangement and belonging)** प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मानविकी पदक (नैशनल ह्युमैनिटीज मेडल), पुलित्जर पुरस्कार विजेता झुंपा लाहिड़ी को प्रदान किया है।" इन आख्यानों में भारतीय-अमेरिकी अनुभवों पर प्रकाश डाला गया है।

C.10 द्वितीय विश्वयुद्ध में विजय के उपलक्ष्य में परेड

(Parade to commemorate WW II victory)

- चीन ने **द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के विरुद्ध** मिली जीत की **70वीं वर्षगांठ** के उपलक्ष्य में **तियानमेन चौक (Tiananmen Square)** पर विशाल सैन्य परेड का आयोजन किया।
- भारत ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैन्य योगदान देने के साथ ही **असम-बर्मा स्टिलवेल सड़क** द्वारा चीनी सेना के लिए आपूर्ति जारी रखकर, जापानी सैन्यवाद की पराजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

C.11 तिब्बत स्वायत्त गणराज्य (TAR)

[Tibet Autonomous Republic (TAR)]

- चीन ने तिब्बत स्वायत्त गणराज्य (TAR) के गठन की 50वीं वर्षगांठ मनाई। इस आयोजन का उद्देश्य **धार्मिक और समाजवादी मूल्यों** के समामेलन(fusing) के साथ-साथ एकता का शक्तिशाली संदेश देना है।
- चीन बौद्ध धर्म, कन्फ्यूशीयसवाद और ताओ धर्म के पुनरुद्धार के आधार पर **सांस्कृतिक पुनर्जागरण** पर ध्यान केंद्रित करता रहा है।
- क्षेत्रीय पीपुल्स कांग्रेस यानी स्थानीय विधायिका की स्थापना के बाद, 1 सितम्बर, 1965 को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र की स्थापना की गई थी।

C.12 यूनान में चुनाव

(Greek Election)

- यूनान में समयपूर्व हुए चुनावों में वामपंथी पार्टी सिरिज़ा(Syriza) ने चुनाव जीता तथा इसके नेता एलेक्सिस सिप्रास को सरकार बनाने का जनादेश मिला।
- वामपंथी सिरिजा पार्टी ने अतिकठोर व अतिमितव्ययता के कार्यक्रमों के विरोध में जनादेश प्राप्त किया। सिप्रास ने इस वर्ष जनवरी में सरकार बनाने के बाद इन अतिकठोर मापदंडों वाले कार्यक्रमों को समाप्त करने की घोषणा की थी।

C.13. बांग्लादेश में ब्लॉग लेखकों पर हमले

(Attacks on Bloggers in Bangladesh)

बांग्लादेश में हाल ही में अनेक ब्लॉग लेखकों पर जानलेवा हमले हुए हैं। ये हमले कट्टरपंथी इस्लामिक रूढ़िवादियों द्वारा किये जा रहे हैं| हमला करने वाले लोग विभिन्न चरमपंथी गुटों से संबद्ध हैं।

- 2010 में शेख हसीना के नेतृत्व वालीआवामी लीग सरकार ने बांग्लादेश में लंबे समय से विचाराधीन जमात-ए-इस्लामी पार्टी के नेताओं द्वारा बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान किये गए जघन्य युद्ध अपराधों के विरुद्ध अभियोग चलाना प्रारंभ किया।
- जब जमात-ए-इस्लामी के एक नेता अब्दुल कादिर मुल्ला को अपराधी घोषित किया गया, तो 1971 के युद्ध अपराधों के दोषी लोगों के लिए मौत की सजा की मांग को लेकर ढाका में स्वतःस्फूर्त आन्दोलन भड़क उठा और इसकी परिणति 2013 के शाहबाग विरोध प्रदर्शन के रूप में दिखी।

C.14 कलादान मल्टी मॉडल यातायत परियोजना

(Kaladan Multi-Modal Transit Transport Project)

- कलादान मल्टी मॉडल यातायात परियोजना कोलकाता पत्तन को म्यांमार के सितवे पत्तन से जोड़ने की परियोजना है।
- इसके पश्चात् सितवे पत्तन को कलादान नदी नौकागम्य मार्ग द्वारा म्यांमार के लाशियो(Lashio) से जोड़ेगा और वहाँ से यह सड़क मार्ग द्वारा भारत के मिजोरम को जोड़ेगा।

C.15 ISIS के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव

(UN Resolution Against ISIS)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर विश्व भर के देशों को इस्लामिक स्टेट से संघर्ष करने हेतु "सभी आवश्यक उपाय" करने हेतु अधिकृत किया।

- इसमें सैन्य कार्रवाई हेतु प्राधिकार प्रदान किया जाना सम्मिलित नहीं है।
- फ्रांस द्वारा पुर:स्थापित, सुरक्षा परिषद का यह प्रस्ताव पेरिस हमलों के बाद अंतर्राष्ट्रीय एकता प्रदर्शित करने का प्रयास था।

C.16 वैश्विक सौर गठबंधन

(Global Solar Alliance)

- भारत के प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी प्रधानमंत्री के साथ पेरिस COP-21 जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान 120 से अधिक देशों के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का शुभारम्भ किया है।
- इस नवीन निकाय ने विश्व के सभी देशों को भागीदारी करने के लिए आमंत्रित किया है। यह भारत स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी, गुड़गांव से संचालित होगा। यह केन्द्र इस गठबंधन के सचिवालय की स्थापना के लिए भूमि और 30 मिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा तथा पांच वर्ष तक इसका सहयोग भी करेगा।
- सौर गठबंधन कर्क और मकर रेखा के बीच अवस्थित देशों को एक साथ लाने की परिकल्पना करता है जो एक वर्ष में लगभग 300 दिनों तक पर्याप्त सूर्यताप प्राप्त करते हैं।

C.17 इस्लामिक सैन्य गठबंधन

(Islamic Military Alliance)

यह मुस्लिम जगत के 34 देशों की सरकारों के बीच सैन्य संधि है। यह संधि **ISIL (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवैंट)** और अन्य आंतकवादी गतिविधियों के विरुद्ध सैनिक कार्यवाही करने के लिए की गयी है।

C.18 चीन-अफ्रीका सहयोग मंच (FOCAC)

[Forum on China-Africa Cooperation (FOCAC)]

- चीन-अफ्रीका सहयोग मंच चीन और अफ़्रीकी देशों का एक आधिकारिक मंच है।
- चीन-अफ्रीका सहयोग मंच के जोहान्सबर्ग शिखर सम्मलेन और 6वें मंत्री स्तरीय सम्मलेन का आयोजन 3 से 5 दिसम्बर 2015 के बीच जोहान्सबर्ग में किया गया।
- यह एक आधिकारिक मंच है जिसने चीन-अफ्रीका सम्बन्ध के राजनीतिक प्रभाव को और बढ़ा दिया है और विभिन्न क्षेत्रों में चीन और अफ्रीका के बीच व्यावहारिक सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण संचालक का कार्य किया है।

VISION IAS

C.19 चीन-श्रीलंका

(China-Sri Lanka)

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने चीन की आधिकारिक यात्रा की। यह यात्रा कोलंबो पोर्ट सिटी की अवरूद्ध परियोजना के लिए श्रीलंका द्वारा हाल ही में हरी झंडी दिखाए जाने के फैसले की पृष्ठभूमि में हुई है। यह परियोजना 1.4 बिलियन डॉलर की लागत से बनने वाली है और चीन इसमें साझेदार है।

भारत की चिंता:

पर्यवेक्षकों का कहना है कि चीन का दक्षिण एशिया में बढ़ता प्रभाव भारत के लिए एक चुनौती बन गया है तथा वह अपने पड़ोसियों के साथ अपनाई जाने वाली नीति में सुधार करने हेतु अनेक आकर्षक कदम उठा सकता है।

- चीन द्वारा हिंद महासागर में स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स (मोतियों की माला) के विकास हेतु प्रयास किये गए हैं, जिनमें म्यांमार में क्याउकफिऊ (Kyaukphyu), श्रीलंका में हंबनटोटा, पाकिस्तान में ग्वादर तथा जिबूती में एक मिलिट्री लोजिस्टिक्स बेस सम्मिलित हैं।
- चीन अपने मेरीटाइम सिल्क रोड के विकास के लिए श्रीलंका को केन्द्रीय महत्त्व प्रदान कर रहा है।

C.20 यमन संघर्ष-विराम

(Yemen Ceasefire)

यमन में सऊदी अरब एवं सहयोगी बलों तथा शिया हौथी विद्रोहियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समर्थित संघर्ष-विराम प्रभावी हो गया है।

सऊदी अरब के नेतृत्व में सुन्नी अरब गठबंधन

- सऊदी अरब और उसके सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति हादी की अपदस्थ सरकार की बहाली और शिया हौथी विद्रोहियों, जिन्होंने राजधानी सना पर अधिकार कर लिया था, को कमजोर करने के लक्ष्य से मार्च 2015 में यमन पर बमबारी शुरू कर दी।

यमन पर संघर्ष का प्रभाव

- उग्रवाद का उदय
- एक विनाशकारी युद्ध के बीच राज्यविहीन अराजकता ने 'अल-कायदा इन अरेबियन पेनिन्सुला (AQAP)' के सशक्त होने में मदद की है। इसने देश में तेजी से अपना विस्तार किया है। अब यह दक्षिणी यमन में एक लघु राज्य की भांति व्यवस्था का संचालन करता है।
- मानवीय त्रासदी

C.21. शून्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

(The International Conference of Zero)

भारत के सहयोग से 6 अप्रैल को यूनेस्को मुख्यालय में शून्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य गणित के समृद्ध और उल्लेखनीय इतिहास का जश्न मनाना था।

महत्त्व

- यूनेस्को में आयोजित यह सम्मलेन शून्य की शक्ति के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर को प्रदर्शित करने का प्रयास था।

VISION IAS

- इससे पहले भारत ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और यूनेस्को में एक संस्कृत सम्मेलन को प्रायोजित किया था।
- भारत ने 'पियरे एंड मैरी क्यूरी यूनिवर्सिटी' के सहयोग से इस सम्मेलन का आयोजन किया।

C.22.उइघुर नेता डोल्कुन इसा का वीजा मुद्दा

(Uighur leader Dolkun Isa's Visa Issue)

चीनी बागी नेता और उइघुर कार्यकर्ता डोल्कुन इसा को इस साल की शुरूआत में जारी किया गया वीजा भारत सरकार द्वारा बाद में रद्द कर दिया गया।

पृष्ठभूमि

- डोल्कुन इसा जर्मनी स्थित विश्व उइघुर कांग्रेस (WUC) के एक नेता हैं।
- झिंजियांग प्रान्त में तुर्किक मूल के उइघुर मुसलमानों की 10 लाख से अधिक आबादी रहती है। यह प्रान्त देश के अन्य हिस्सों से 'हान (Hans)' लोगों को बड़े पैमाने पर इस क्षेत्र में बसाये जाने के खिलाफ उइघुर मुसलमानों के आन्दोलन के कारण पिछले कई वर्षों से संघर्षरत और अशांत है।
- चीन, उग्रवादी इस्लामी गुट ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ETIM) को झिंजियांग और देश के अन्य भागों में आतंकवादी हमलों के लिए दोषी मानता है।

चीनी प्रतिक्रिया

- चीन ने विश्व उइघुर कांग्रेस (WUC) के नेता डोल्कुन इसा के संभावित भारत आगमन पर अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि उसका नाम इंटरपोल के रेड कॉर्नर पर एक "आतंकवादी" के रूप में दर्ज है।

C.23.ईरान में संसदीय चुनाव

(PARLIAMENTARY ELECTION IN IRAN)

ईरान में 'इस्लामिक कंसल्टेटिव असेम्बली' के सदस्यों के निर्वाचन हेतु 26 फरवरी 2016 को चुनाव संपन्न हुए। यह चुनाव आम चुनाव के एक भाग के रूप में संपन्न हुए जिसमें विशेषज्ञों की सभा (Assembly of Experts) के सदस्यों का भी चुनाव किया गया।

- **इस्लामिक कंसल्टेटिव असेम्बली,** (ईरानी संसद) जिसे ईरानी मजलिस भी कहा जाता है, ईरान की राष्ट्रीय विधायिका है। ईरानी संसद में वर्तमान में 290 प्रतिनिधि हैं।
- **द असेम्बली ऑफ एक्सपर्ट्स** ('विशेषज्ञों की सभा') 88 सदस्यों की एक विचार-विमर्श करने वाली संस्था है जिन्हें मुज्ताहिद (इस्लामिक धर्मशास्त्री) कहा जाता है। इसका कार्य ईरान के सर्वोच्च नेता को चुनना एवं हटाना है, साथ ही संस्था उसकी गतिविधियों का भी निरीक्षण करती है।

चुनावों के परिणाम

- 290 सदस्यीय संसद में राष्ट्रपति हसन रौहानी के सुधारवादी गठबंधन ने 85 सीटें जीतीं जबकि नरमपंथी रुढिवादियों (Moderate Conservatives) ने 73 सीटें जीतीं। अब यह दोनों मिलकर सदन पर नियंत्रण रखेंगे।
- राष्ट्रपति रौहानी के सुधार एजेंडे का विरोध करने वाले कट्टरपंथियों की केवल 68 सीटों पर विजय हुई।

VISION IAS

- 88 सदस्यीय विशेषज्ञों की सभा (Assembly of Experts) में सुधारवादियों एवं मध्यवादियों द्वारा समर्थित धर्मगुरुओं ने 52 सीटों पर विजय प्राप्त की।

C.24.अमरीकी राष्ट्रपति की क्यूबा यात्रा

(USA PRESIDENT'S VISIT TO CUBA)

राष्ट्रपति बराक ओबामा क्यूबा की ऐतिहासिक यात्रा पर गए। राष्ट्रपति की इस यात्रा ने शीत युद्ध के समय से ही कटु शत्रु रहे इन दोनों देशों के मध्य संबंधो के एक नए अध्याय का आरंभ किया।

- 1928 में केल्विन कूलिज के बाद बराक ओबामा अपने कार्यकाल में क्यूबा जाने वाले पहले राष्ट्रपति हैं।

1959 की क्रांति में फिडेल कास्त्रो द्वारा सत्ता अधिग्रहण के बाद से यू. एस.- क्यूबा संबंधः

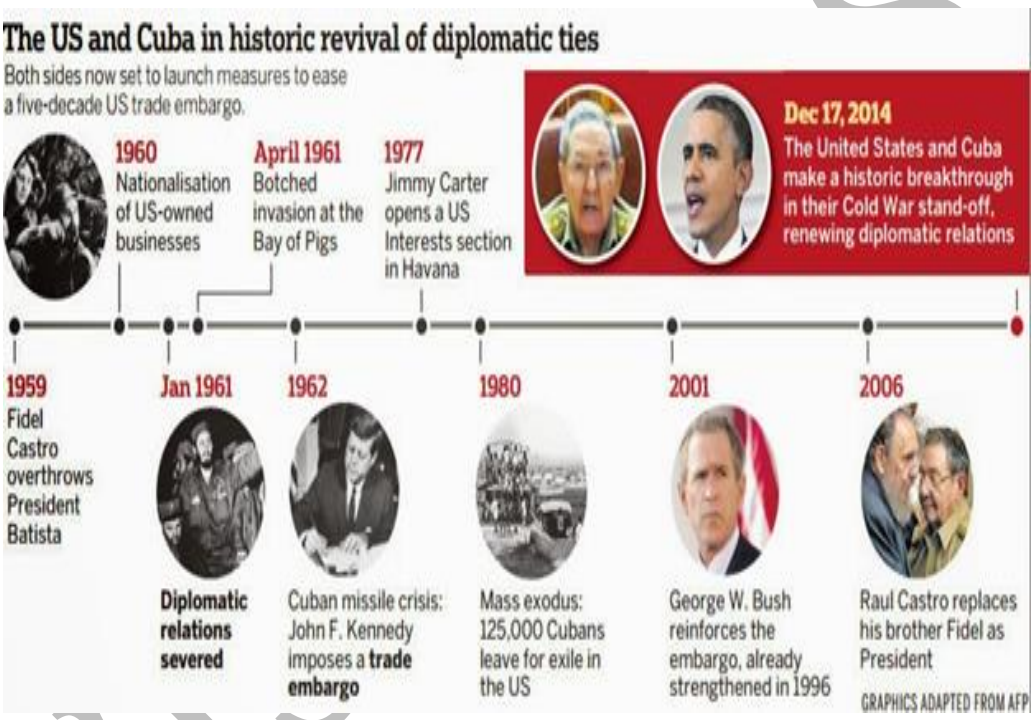

C.25 चार देशों का आतंक-रोधी तंत्र

(Four-Nation Counter-Terror Mechanism)

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) ने यूरेशिया में चीन की वन बेल्ट वन रोड (OBOR) परियोजना की सुरक्षा हेतु एक क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी तंत्र के निर्माण का प्रस्ताव पेश किया है।
इस तंत्र में चीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं ताजिकिस्तान सदस्य देशों के रुप में शामिल होंगे।

आंतकवाद रोधी तंत्र क्यों?

- **खुरासान प्रांत (ISIL-K) का उदय**- ISIL-K अफगानिस्तान में ISIS की एक शाखा है जो अफगानिस्तान में चीन की OBOR परियोजना के लिए एक गंभीर खतरा हो सकता है।
- चीन विशेषकर ज़िनजियांग प्रांत में ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेण्ट (ETIM) के आंतकी हमलों के प्रति आशंकित है। ETIM पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में कार्य कर रहे आतंकी समूहों से भी जुड़ा हुआ है।

C.26 जापान-रूस क्षेत्रीय विवाद

(JAPAN-RUSSIA TERRITORIAL DISPUTE)

- कुरील(kuril) द्वीपसमूह विवाद : यह विवाद जापान ,रूस और ऐनु (AINU) जनजाति के लोगों के मध्य दक्षिणी कुरील द्वीपसमूह पर अधिकार के लिए है।
- जापानी द्वीप होक्काइडो के उत्तर में स्थित द्वीपों पर परस्पर विरोधी दावों के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कभी भी रूस और जापान ने शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं किये। इन द्वीपों को जापान अपना उत्तरी क्षेत्र कहता है और रूस इनको दक्षिणी कुरील के रूप में दर्शाता है|

C.27 नागोर्नी-काराबाख क्षेत्र

(Nagorny Karabakh region)

काराबाख तकनीकी रूप से अज़रबैजान का हिस्सा है परन्तु सोवियत संघ के विघटन के बाद से वहां **आर्मीनियाई नस्ल** के लोगों का शासन है। इसी के चलते हाल ही में नागोर्नी-काराबाख क्षेत्र की सीमा रेखा पर दोनों धुरविरोधी देशों (आर्मीनिया एवं अज़रबैजान) के मध्य हिंसक झड़प देखने को मिली।

C.28 कोकांग विद्रोही

(Kokang Rebels)

कोकांग **बर्मा** में निवास करने वाला नस्लीय समूह है। ये **मंदारिन भाषा** बोलने वाले **हान मूल के चीनी** लोग हैं तथा **कोकांग विशेष प्रशासित क्षेत्र(Kokang Special Region)** में निवास करते हैं।

C.29. सिनाई प्रायद्वीप

(Sinai Peninsula)

- हाल ही में मिस्र के सिनाई रेगिस्तान से हुए हमले के फलस्वरूप एक रूसी युद्धक विमान क्षतिग्रस्त हो गया।

- सिनाई प्रायद्वीप में कार्यरत कुछ आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट के प्रति प्रतिबद्धता घोषित करते हैं। ऐसा ही एक समूह खुद को इस्लामिक स्टेट का सिनाई प्रान्त(Sinai Province of IS) कहता है।

C.30. ट्रांस-अफ़ग़ान गैस पाइपलाइन

(Trans-Afghan gas pipeline)

ट्रांस अफ़ग़ान पाइपलाइन तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत को जोड़ती है।

C.31. मोटर वाहन समझौता

[Motor Vehicles Agreement (MVA)]

भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश: इन चारों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों ने यात्रियों तथा मालभाड़े के लिए प्रयुक्त वाहनों की आवाजाही के नियमन हेतु एक ऐतिहासिक मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

C.32. ग्लोबल अपोलो प्रोग्राम

(Global Apollo Program)

ग्लोबल अपोलो प्रोग्राम का लक्ष्य आने वाले दस वर्षों में विश्व में स्वच्छ ऊर्जा पर आने वाली लागत कोयला आधारित पावर स्टेशनों की तुलना में कम करना है।

C.33.कुर्दिस्तान कामगार पार्टी

(The Kurdistan Workers' Party)

कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी, जिसे प्रायः PKK के नाम से जाना जाता है, तुर्की और इराक के कुर्दिस्तान में कार्यरत एक आक्रामक कुर्द संगठन है। यह स्वायत्त-शासन के लिए सन 1984 से तुर्की के साथ संघर्ष-रत है। अंकारा एवं इसके सहयोगियों द्वारा इसे एक आंतकवादी संगठन माना जाता है।
उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपियन यूनियन समेत कई राष्ट्रों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने PKK को अंतर्राष्ट्रीय आंतकवादी संगठनों की सूची में रखा है। परन्तु कुछ देशों जैसे भारत, चीन, रूस, स्विट्जरलैंड और मिस्र ने PKK को एक आंतकवादी संगठन के रूप में नामित नहीं किया है।

वर्ष 2013 में अंकारा और विद्रोही समूह **कुर्दिस्तान कामगर पार्टी या PKK** के बीच शांति-समझौते की घोषणा के बाद यह पहला अवसर है जब तुर्की के जेट विमानों ने उत्तरी इराक में कुर्दों पर हमला किया है।

C.34. ऑपरेशन कॉन्डोर

(Operation Condor)

- ऑपरेशन कॉन्डोर, दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में दक्षिणपंथी तानाशाहों द्वारा चलाया गया एक अभियान था। इसके अंतर्गत राजनीतिक दमन और ख़ुफ़िया इकाइयों के सहयोग से राजनीतिक प्रतिद्वन्दियों की हत्या जैसे कदम उठाये गए। यह ऑपरेशन वर्ष 1968 में शुरू हुआ और 1975 में इसे आधिकारिक तौर पर अपना लिया गया।
- इस ऑपरेशन में मुख्य रूप **अर्जेंटीना, चिली, उरुग्वे, पराग्वे, बोलीविया और ब्राज़ील** की सरकारें शामिल थीं। संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने इन्हें 1978 तक तकनीकी और सैन्य सहायता दी। कुछ वर्षों के अंतराल के बाद रिपब्लिकन उम्मीदवार रोनाल्ड रीगन के राष्ट्रपति बन जाने के पश्चात वर्ष 1981 से पुनः सहयोग प्रारम्भ कर दिया गया।
- अर्जेंटीना के भूतपूर्व '**जुंटा लीडर रेनाल्डो बिगनोन**' को हाल ही में ऑपरेशन कॉन्डोर से जुड़े अपराधों के लिए 20 वर्षों के कारावास की सजा सुनाई गयी।

C.35. अमेरिकी राष्ट्रपति की हिरोशिमा यात्रा

(USA President's visit to Hiroshima)

- अमेरिकी वायुसेना ने 6 अगस्त 1946 को जापान के हिरोशिमा में दुनिया का पहला परमाणु आक्रमण किया था। तीन दिन बाद द्वितीय विश्व युद्ध का समापन दक्षिणी शहर नागासाकी पर परमाणु आक्रमण के उपरांत हुआ। उस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन थे।
- इस घटना के 70 सालों बाद बराक ओबामा, हिरोशिमा की यात्रा करने वाले पहले कार्यरत राष्ट्रपति बने।
- इससे पहले दो और अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने हिरोशिमा की यात्रा की थी। (1984 में अपना कार्यकाल पूरा होने के तीन साल बाद जिमी कार्टर तथा 11 अप्रैल 1964 को राष्ट्रपति बनने से चार वर्ष पहले रिचर्ड निक्सन ने हिरोशिमा की यात्रा की थी।)

C.36. विश्व मानवता सम्मेलन (WORLD HUMANITARIAN SUMMIT)

[World Humanitarian Summit (WHS)]

- 23 और 24 मई 2016 को तुर्की की राजधानी **इस्तांबुल** में संयुक्त राष्ट्र विश्व मानवता सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह शिखर सम्मेलन **संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बान की मून की एक पहल है और मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (United Nations Office for the Coordination of Humanitarian Affairs-UNOCHA)** द्वारा आयोजित किया गया।
- इस शिखर सम्मेलन का आयोजन मानवतापूर्ण कार्यों के लिए **भविष्य की मानवीय चुनौतियों का मिलकर सामना करने हेतु** एक दूरदर्शी एजेंडा तय करने के लिए किया गया। इसका उद्देश्य विविध लोकोपकारी सिद्धांतों के प्रति समर्पित मानवतापूर्ण और अधिक समावेशी तंत्र का निर्माण है।

इसके तीन मुख्य लक्ष्य निम्नलिखित हैं -

- मानवता और मानवीय सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि।
- उन कार्यों और प्रतिबद्धताओं का प्रारम्भ जिनके जरिये देश और समुदाय किसी भी संकट का सामना करने के लिए तैयार हो सके और आकस्मिक समस्याओं का सामना भी बेहतर तरीके से कर सके।
- दुनिया भर के लोगों की जान बचाने, प्रभावित लोगों को मानवीय कार्रवाई के केंद्र में रखने और पीड़ा को समाप्त करने के सर्वश्रेष्ठ उपायों के आदान-प्रदान में सहयोग करें।

C.37 रिस्पांसिबिलिटी टू प्रोटेक्ट (R2P)

[Responsibility to Protect (R2P)]

नरसंहार, युद्ध अपराध, नस्लीय हिंसा और मानवता के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए 2005 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वाधान में हुए विश्व शिखर सम्मेलन में सभी सदस्य देशों ने एक स्वर में संरक्षण की जिम्मेदारी (रिस्पांसिबिलिटी टू प्रोटेक्ट) को वैश्विक राजनीतिक प्रतिबद्धता के रूप में स्वीकार किया था।

VISION IAS

2005 में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के विश्व शिखर सम्मेलन के परिणाम दस्तावेज(OUTCOME DOCUMENT) में निर्धारित तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव की 2009 में प्रस्तुत रिपोर्ट में वर्णित, संरक्षण की जिम्मेदारी के तीन आधार स्तम्भ निम्नांकित हैं -

- नरसंहार, युद्ध अपराध, नस्लीय हिंसा, मानवता के खिलाफ अपराध जैसे कृत्यों को अंजाम देने वाले और उन्हें शह देने वालों से लोगों की रक्षा करने की प्राथमिक जिम्मेदारी राष्ट्र-सरकार की है।
- इस जिम्मेदारी को पूरा करने में सरकार को सहायता प्रदान करना और प्रोत्साहन देना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है।
- अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि उचित राजनयिक, मानवीय और अन्य साधनों का उपयोग कर इन अपराधों से आबादी की रक्षा सुनिश्चित करे। यदि कोई राष्ट्र प्रकट रूप से अपनी आबादी की रक्षा करने में विफल रहा है, तो आबादी की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार, सामूहिक कार्रवाई करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

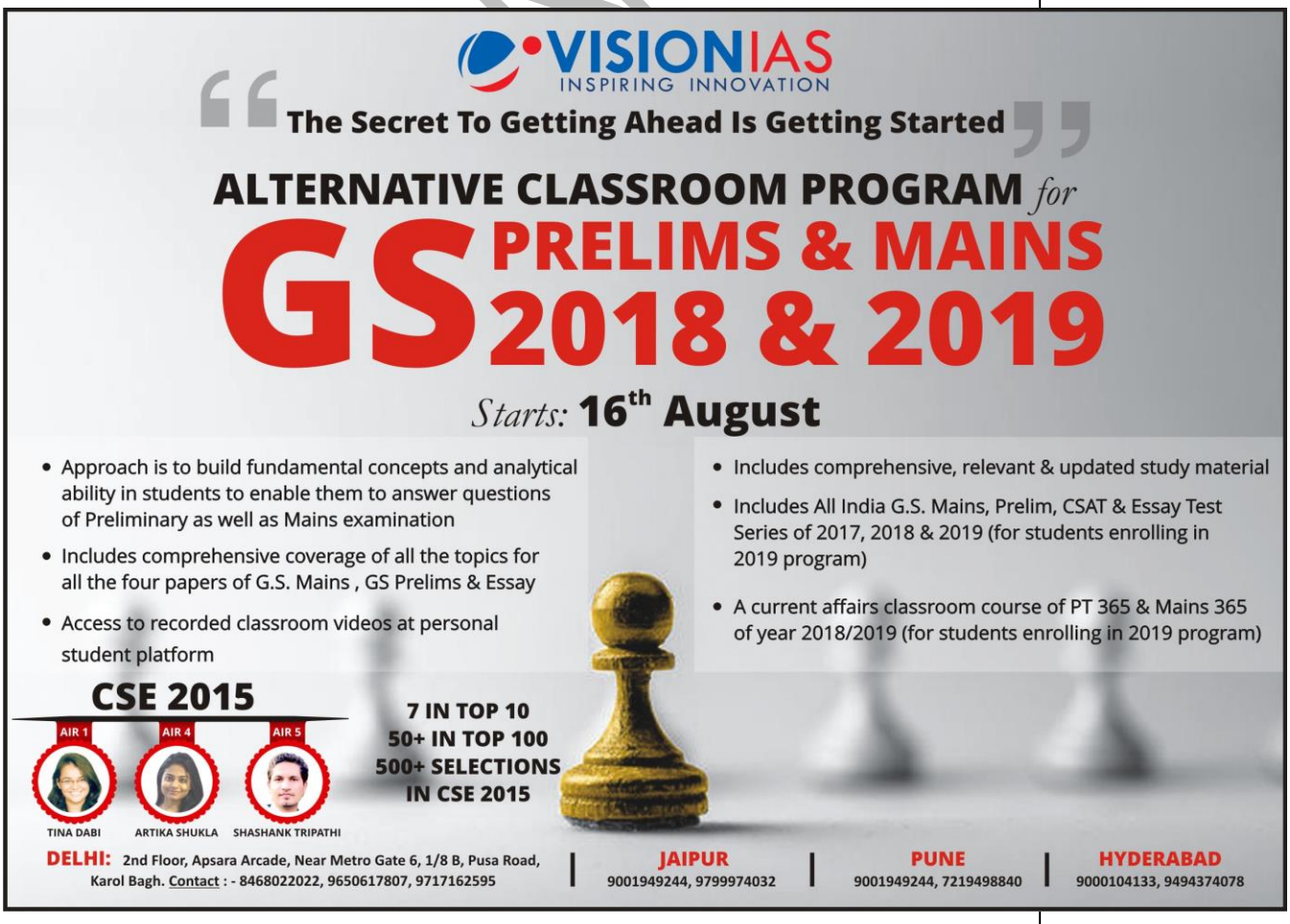

D. व्यापार संगठन

D.1.ट्रांस-पैसेफिक पार्टनरशिप

[TRANS-PACIFIC PARTNERSHIP (TPP)]

ट्रांस-पेसेफिक पार्टनरशिप (TPP) प्रशांत महासागर से लगे बारह देशों के बीच 4 फ़रवरी 2016 को हस्ताक्षरित एक व्यावसायिक अनुबंध है। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, कनाडा, चिली, जापान, मलेशिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, पेरू, सिंगापुर, अमेरिका और वियतनाम सम्मिलित हैं।

- इसका उद्देश्य इन देशों के मध्य वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों की आवाजाही को आसान बनाना एवं श्रम मानकों, पर्यावरणीय मुद्दों, मूल मानदंडों और बौद्धिक सम्पदा के नियमों को सुदृढ़ बनाना है।
- वैश्विक व्यापार का 40 प्रतिशत भाग TPP के अंतर्गत आता है।
- कई विश्लेषक इस मेगा डील को चीन के बढ़ते वैश्विक आर्थिक प्रभाव को प्रतिसंतुलित करने के तरीके के रूप में देख रहे हैं।

भारत पर प्रभाव :

- भारत, TPP का सदस्य नहीं है। विश्व बैंक का यह अनुमान है कि इसके गैर-सदस्यों पर **'ट्रेड डाइवर्जन'** का सीमित प्रभाव पड़ेगा।
- इस समझौते के उपरांत अब अधिमानी क्षरण (preference erosion) के परिणामस्वरुप भारत को निर्यात के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी में नुकसान (Market Share Loss) हो सकता है।
- TPP परोक्ष रूप से भारत को कुछ औद्योगिक क्षेत्रों यथा टेक्सटाइल, प्लास्टिक, चमड़ा, सूती वस्त्र और धागे इत्यादि के निर्यात में भी हानि पहुंचाएगा।
- बौद्धिक संपदा अधिकार और पेटेंट की संभावित एवरग्रीनिंग सहित **टी.पी.पी के कुछ मानक विश्व व्यापार संगठन के मापदंडों की तुलना में उच्च हैं** जिससे भारत के **औषध क्षेत्रक को** नुकसान पहुंच सकता है।

D.2. रीजनल कोम्प्रिहेंसिव इकनोमिक पार्टनरशिप (RCEP)

[Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP)]

- RCEP एक मेगा ट्रेड डील है जो वस्तु, सेवाएं, निवेश, आर्थिक और तकनीकी सहयोग और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को सम्मिलित करती है।
- 16 सदस्यों वाले RCEP ब्लॉक में 10 ASEAN देश (ब्रूनेई ,कम्बोडिया, इंडोनेशिया, मलेशिया , म्यांमार , सिंगापुर, थाईलैंड, फ़िलीपीन्स, लाओस और वियतनाम) तथा 6 उनके व्यापार सहयोगी -भारत, चीन, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड सम्मिलित हैं।

भारत के दृष्टिकोण से RCEP एक निर्णायक मंच है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में इसके रणनीतिक और आर्थिक प्रभाव को बढ़ाएगा तथा इसके एक्ट ईस्ट नीति को भी प्रभावी रूप प्रदान करेगा।

VISION IAS

D.3. ट्रान्स-अटलांटिक व्यापार और निवेश साझेदारी (TTIP)

[Transatlantic Trade and Investment Partnership (TTIP)]

TTIP यूरोपियन यूनियन और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य प्रस्तावित एक व्यापार समझौता है। इसका उद्देश्य व्यापार और विदेशी निवेश पर लगे अवरोधों को हटाकर अथवा कम कर EU एवं USA की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना है।

- अमेरिकी सरकार TTIP को ट्रांस पैसिफिक पार्टनरशिप के लिए एक सहयोगी समझौता मानती है।
- यह समझौता अभी वार्ता के चरण में ही है और इसके तीन व्यापक क्षेत्र हैं: बाजार पहुँच; विशिष्ट विनियम; और व्यापक नियम, सिद्धांत तथा सहयोग के तरीके।

D.4. विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- भारत ने नए व्यापार सुविधा समझौते (TFA) का अनुसमर्थन कर दिया है। व्यापार सुविधा समझौते का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही को जारी रखने, सदस्य देशों के बीच सीमा शुल्क नियमों और प्रक्रियाओं को व्यवस्थित बनाकर तथा व्यापार प्रवाह में तेजी लाकर व्यापारिक लेनदेन की लागत को कम करना है।
- भारत, WTO के तहत सेवा क्षेत्र में TFA के लिए प्रयासरत है। सेवा व्यापार पर सामान्य समझौता (**The General Agreement on Trade in Services** (**GATS**) सेवाओं के सीमापार व्यापार हेतु चार मोड सम्मिलित करता है: -

मोड (Modes)	**मानदंड (criteria)**	**आपूर्तिकर्ता उपस्थिति (supplier presence)**
मोड 1 : सीमापार आपूर्ति	एक सदस्य देश के क्षेत्र से दूसरे सदस्य देश के क्षेत्र के भीतर सेवा की डिलीवरी	सेवा आपूर्तिकर्ता सदस्य देश के क्षेत्र में उपस्थित नहीं
मोड 2 : विदेशों में उपभोग	किसी सदस्य देश के क्षेत्र से बाहर परन्तु किसी अन्य सदस्य देश के क्षेत्र के भीतर उपस्थित सेवा उपभोक्ता को प्रदत्त सेवा।	
मोड 3 : वाणिज्यिक उपस्थिति	एक सदस्य देश के क्षेत्र के भीतर आपूर्तिकर्ता की वाणिज्यिक पहुँच के द्वारा प्रदत्त सेवा।	सेवा आपूर्तिकर्ता सदस्य देश के क्षेत्र में उपस्थित नहीं
मोड 4 : नेचुरल पर्सन का गतिशीलन (मूवमेंट ऑफ़ नेचुरल परसन)	नेचुरल पर्सन के तौर पर उपस्थित आपूर्तिकर्ता द्वारा एक सदस्य देश के क्षेत्र के भीतर प्रदत्त सेवा	

VISION IAS

WTO के सदस्यों ने IT व्यापार समझौता किया

- विश्व व्यापार संगठन के सदस्य राष्ट्रों ने एक समझौते को अंतरिम रूप दिया है, जिसके चलते 1 ट्रिलियन डॉलर मूल्य के **सूचना प्रौद्योगिकी उत्पादों** पर सीमा-शुल्क कम हो जायेगा। इसके परिणामस्वरूप वीडियो गेम्स से लेकर स्वास्थ्य उपकरण विनिर्माताओं को प्रोत्साहन मिलेगा।
- WTO के 18 वर्ष पुराने **सूचना प्रौद्योगिकी समझौते (ITA)** के नवीकरण हेतु किए गए समझौते के तहत 200 से अधिक नये उत्पादों को जीरो सीमा-शुल्क और सीमा-शुल्क मुक्त व्यापार वाली वस्तुओं की सूची में जोड़ा गया है।
- यह समझौता ITA 1996 का विस्तार है।
- इस समझौते के माध्यम से 201 IT उत्पादों पर लागू आयात करों को या तो तत्कालिक तौर पर अथवा आगामी 3 वर्षों में हटा दिया जाएगा।

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

प्रथम	9–13 दिसंबर 1996	सिंगापुर
द्वितीय	18–20 मई 1998	जेनेवा , स्विट्ज़रलैंड
तृतीय	30 नवम्बर - 3दिसंबर 1999	सिएटल,अमेरिका
चतुर्थ	9–14 नवम्बर2001	दोहा, क़तर
पंचम	10–14 सितम्बर 2003	कानकुन , मैक्सिको
षष्ठ	13–18 दिसंबर 2005	हांगकांग
सप्तम	30 नवम्बर– 2 दिसंबर 2009	जेनेवा , स्विट्ज़रलैंड
अष्टम	15–17 दिसंबर2011	जेनेवा , स्विट्ज़रलैंड
नवम	3–6 दिसंबर2013	बाली, इंडोनेशिया
दशम	15–18 दिसंबर2015	नैरोबी, केन्या

- हाल ही में , अफगानिस्तान, WTO का 164 वाँ सदस्य बना।

VISION IAS

E . रिपोर्ट्स

E.1. विश्व विकास रिपोर्ट, 2016

(WORLD DEVELOPMENT REPORT 2016)

2016 की WDR का शीर्षक 'डिजिटल लाभांश' है। इसमें उल्लेख किया गया है कि लगभग 1.063 बिलियन भारतीय अभी भी इन्टरनेट का उपयोग नहीं कर रहे हैं जबकि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या के मामले में भारत- चीन, अमेरिका, जापान और ब्राजील के साथ शीर्ष पांच में है।

E.2.ग्लोबल हैप्पीनेस रिपोर्ट, 2016

(THE WORLD HAPPINESS REPORT 2016)

ग्लोबल हैप्पीनेस रिपोर्ट 2016 सस्टेनेबल डेवलपमेंट साल्यूशंस नेटवर्क (SDSN) के द्वारा प्रकाशित की गई है, जो कि संयुक्त राष्ट्र की एक वैश्विक पहल है।

- यह रिपोर्ट प्रसन्नता के सूचकों के रुप में निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करती है-
  - प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद
  - जीवन प्रत्याशा
  - सामाजिक सहायता
  - जीवन में अपने विकल्प चुनने की स्वतंत्रता
- 156 देशों की सूची में भारत को 118वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।
- डेनमार्क ने विश्व के सर्वाधिक प्रसन्न राष्ट्र के रुप में इस सूची में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

E.3. ग्लोबल एनर्जी आर्किटेक्चर परफार्मेंस इंडेक्स रिपोर्ट

(GLOBAL ENERGY ARCHITECTURE PERFORMANCE INDEX)

यह सूचकांक 126 देशों के ऊर्जा आर्किटेक्चर को "ऊर्जा त्रिभुज" के तीन आयामों: वहनीयता, पर्यावरणीय धारणीयता तथा सुरक्षा एवं पहुँच के जरिए ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता के आधार पर आकलित है।

- **एनर्जी आर्किटेक्चर परफार्मेंस इंडेक्स** (EAPI) का विकास विश्व आर्थिक मंच द्वारा एसेंचर (Accenture) के सहयोग से किया गया है।
- इस सूची में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः स्विट्जरलैण्ड, नार्वे और स्वीडन रहे।
- ब्रिक (BRIC) देशों में ब्राजील का प्रदर्शन सबसे उत्कृष्ट (25वाँ स्थान) रहा तत्पश्चात् रुस (52वाँ) भारत (90वाँ) तथा चीन (94वाँ) का स्थान रहा है।

VISION IAS

E.4. यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक 2015

(Travel & Tourism Competitive Index 2015)

- 2015 के यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक के अनुसार भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

  2013 में भारत 65वें स्थान पर था और अब 52वें स्थान पर आ गया है।

- यह सूचकांक विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी किया जाता है।

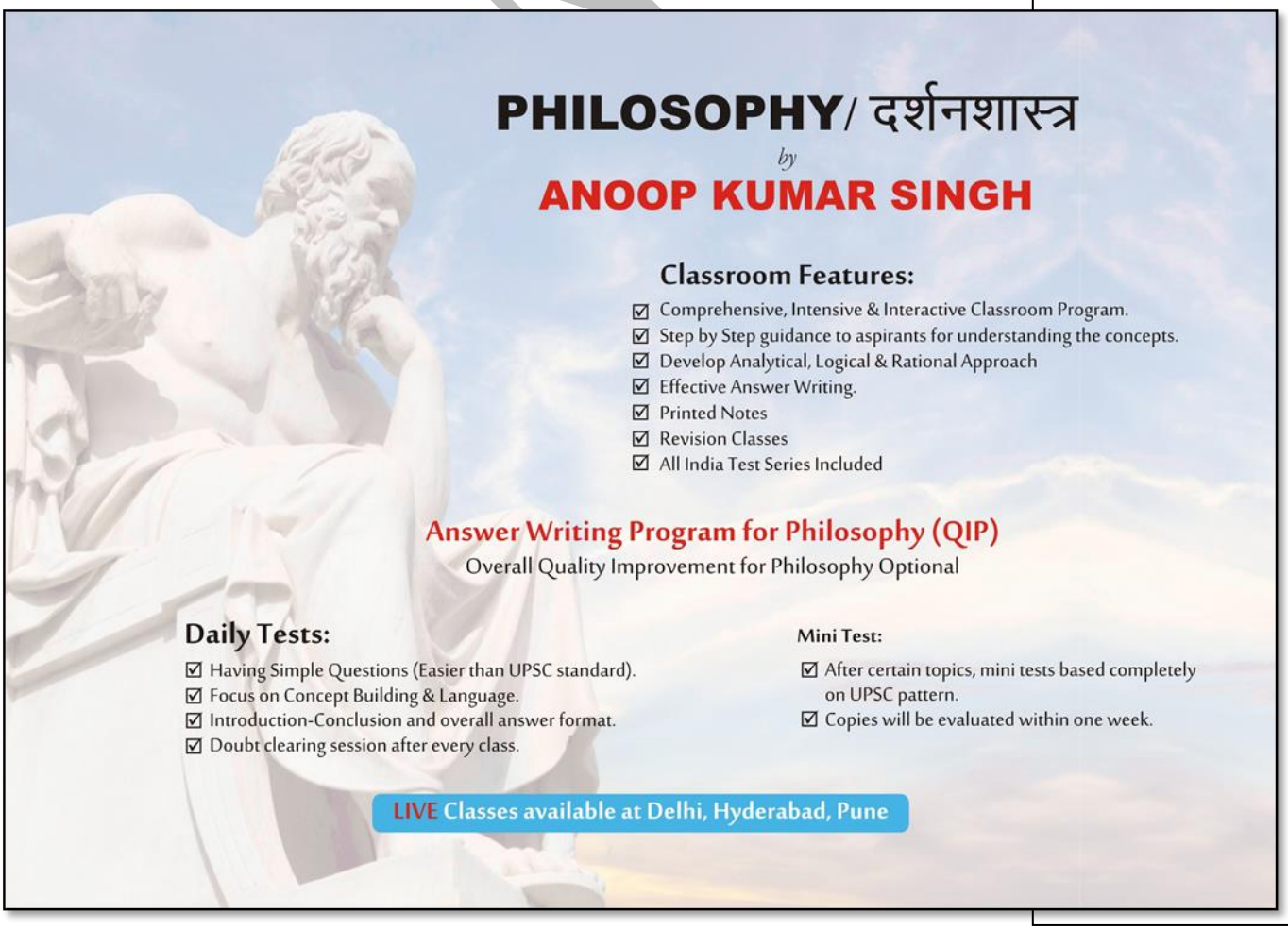

F. सैन्य अभ्यास

सिम्बेक्स -15	भारत -सिंगापुर नौसैनिक अभ्यास
वरुण 2015	भारत -फ्रांस नौसैनिक अभ्यास
सुंदरबन मोइत्री	बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स (BSF) तथा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB)
लामित्ये	भारतीय सेना तथा सेशेल्स पीपल डिफेन्स फोर्सेज (SPDF)
हैंड इन हैंड	भारत -चीन
मित्र शक्ति	भारत-श्रीलंका संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास
कोऑर्डिनेटेड पेट्रोल (CORPAT)	भारत -इंडोनेशिया द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास
कोबरा गोल्ड	थाईलैंड में संपन्न एशिया-प्रशांत सैन्य अभ्यास (भारत ने भाग लिया)
नसीम अल बहर	भारत - ओमान द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास
स्लीनेक्स 2015	भारत - श्रीलंका द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास
मालाबार	भारत, जापान व अमेरिका के मध्य त्रिपक्षीय अभ्यास
इंद्र	भारत - रूस सैन्य अभ्यास
इब्सामार (IBSAMAR)	भारत, ब्राज़ील, दक्षिण अफ़्रीकी नौसेनाएं
कोंकण	भारतीय नौसेना एवं रॉयल नेवी
AUSINDEX-15	भारत -ऑस्ट्रेलिया नौसैनिक अभ्यास
'सहयोग- कैजिन'	भारत-जापान तटरक्षक बलों का संयुक्त अभ्यास
इंद्रधनुष	भारत-UK वायुसेना

VISION IAS

शक्ति	भारत-फ़्रांसिसी सेना
नोमेडिक एलीफेंट	भारत-मंगोलिया संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास
युद्ध अभ्यास	भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण
सूर्य किरण	भारत-नेपाल संयुक्त बटालियन स्तर सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास
खंजर	भारत और किर्गिस्तान
हरिमाउ शक्ति	भारत और मलेशिया
रेड फ्लैग	भारत-अमेरिका वायुसेना
डेजर्ट ईगल	भारत- UAE के मध्य वायुसैनिक अभ्यास

VISION IAS

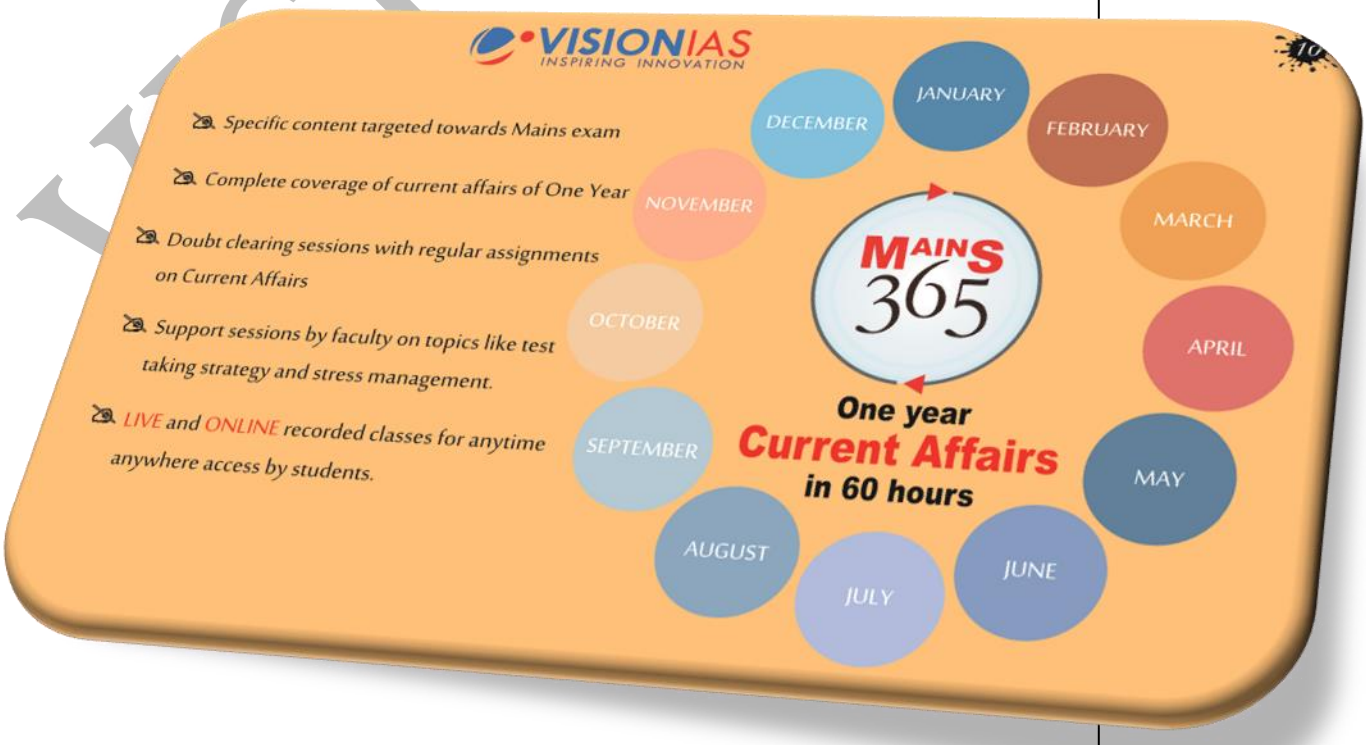

G. गत वर्षों के प्रश्न

प्रश्न : 1 भारत की "पूर्व की ओर देखो" नीति के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (CSE-2011)

1. भारत पूर्वी एशियाई मामलों में स्वयं को एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय नायक के रूप में स्थापित करना चाहता है।
2. भारत शीत युद्ध समाप्त होने से उत्पन्न शून्य को भरना चाहता है।
3. भारत अपने दक्षिणपूर्वी तथा पूर्वी एशियाई पड़ोसियों के साथ ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंध पुनःस्थापित करना चाहता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

प्रश्न : 2 हाल में संयुक्त राज्य अमेरिका ने "ऑस्ट्रेलिया समूह" तथा "वैसेनार व्यवस्था" के नाम से ज्ञात बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं में भारत के सदस्य बनाये जाने को समर्थन देने का निर्णय लिया है। इन दोनों व्यवस्थाओं के बीच क्या अंतर है? **(CSE-2011)**

1. ऑस्ट्रेलिया समूह एक अनौपचारिक व्यवस्था है जिसका लक्ष्य निर्यातक देशों द्वारा रासायनिक तथा जैविक हथियारों के प्रसार में सहायक होने के जोखिम को नियंत्रित करना है जबकि वैसेनार व्यवस्था ओईसीडी के अंतर्गत गठित औपचारिक समूह है जिसके समान लक्ष्य हैं।
2. ऑस्ट्रेलिया समूह के सहभागी मुख्यतः एशियाई, अफ्रीकी और उत्तरी अमेरिका के देश है जबकि वैसेनार व्यवस्था के सहभागी मुख्यतः यूरोपीय संघ और अमेरिकी महाद्वीपों के देश हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और ना ही 2

प्रश्न : 3 भारत ने दक्षिणपूर्वी एशिया के साथ अपने आरंभिक सांस्कृतिक संपर्क तथा व्यापारिक संबंध बंगाल की खाड़ी के पार बना रखे थे। निम्नलिखित में से कौन-सी बंगाल की खाड़ी के इस उत्कृष्ट आरंभिक समुद्री इतिहास की सबसे विश्वसनीय व्याख्या/व्याख्याएं हो सकती है/हैं? **(CSE-2011)**

(a) प्राचीन काल तथा मध्य काल में भारत के पास दूसरों की तुलना में अति उत्तम पोत-निर्माण तकनीकी उपलब्ध थी।

(b) इस उद्देश्य के लिए दक्षिण भारतीय शासकों ने व्यापारियों, ब्राह्मण पुजारियों और बौद्ध भिक्षुओं को सदा संरक्षण दिया ।

(c) बंगाल की खाड़ी में चलने वाली मानसूनी हवाओं ने समुद्री यात्राओं को सुगम बना दिया था।

(d) इस संबंध में (a) तथा (b) दोनों विश्वसनीय व्याख्याएं हैं।

VISION IAS

प्रश्न : 4 निम्नलिखित में से किस के द्वारा भारत और पूर्वी एशिया के बीच नौसंचालन समय (नेविगेशन टाइम) और दूरी अत्यधिक कम किए जा सकते है? (CSE-2011)

1. मलेशिया और इंडोनेशिया के बीच मलक्का जलडमरूमध्य को अधिक गहरा बना कर।
2. सियाम खाड़ी और अंडमान सागर के बीच करा इस्थमस(KRA ISTHMUS) जलडमरूमध्य के पार नई नहर खोल कर।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और ना ही 2

प्रश्न:5 "न्यू स्टार्ट संधि" (New START treaty) समाचारों में रही थी. यह संधि क्या है? **(CSE-2011)**

(a) यह संयुक्त राज्य अमेरिका तथा रूसी संघ के बीच नाभिकीय शस्त्रों पर कटौती करने की द्विपक्षीय सामरिक महत्व की संधि है।

(b) यह पूर्वी एशिया सम्मेलन के सदस्यों के बीच बहुपक्षीय ऊर्जा सुरक्षा सहयोग संधि है।

(c) यह रूसी संघ तथा यूरोपीय संघ के बीच ऊर्जा सुरक्षा सहयोग संधि है।

(d) यह "ब्रिक्स" (BRICS) देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए की गई बहुपक्षीय सहयोग संधि है।

प्रश्न:6 भू-युद्धनीति की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र होने के नाते दक्षिणपूर्वी एशिया लंबे अंतराल और समय से वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित करता आया है. इस वैश्विक सन्दर्भ की निम्नलिखित में से कौन-सी व्याख्या सबसे प्रत्ययकारी है? **(CSE-2011)**

(a) यह द्वितीय विश्व युद्ध का सक्रिय घटनास्थल था।

(b) यह एशिया की दो शक्तियों चीन और भारत के बीच स्थित है।

(c) यह शीत युद्ध की अवधि में महाशक्तियों के बीच परस्पर मुकाबले की रणभूमि थी।

(d) यह प्रशांत महासागर और हिंद महासागर के बीच स्थित है और उसका चरित्र उत्कृष्ट समुद्रवर्ती है।

प्रश्न:7 यूएनडीपी के समर्थन से 'ऑक्सफ़ोर्ड निर्धनता एवं मानव विकास नेतृत्व' द्वारा विकसित 'बहुआयामी निर्धनता सूचकांक' में निम्नलिखित में से कौनसा/से सम्मिलित है/हैं? **(CSE-2012)**

1. पारिवारिक स्तर पर शिक्षा स्वास्थ्य संपत्ति तथा सेवाओं से वंचन
2. राष्ट्रीय स्तर पर क्रयशक्ति समता
3. राष्ट्रीय स्तर पर बजट घाटे की मात्रा और जीडीपी की विकास दर

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

VISION IAS

प्रश्न:8 हाल ही में एक जन-विद्रोह शृंखला, जिसे 'अरब स्प्रिंग' कहा गया, मूलतः किस देश से शुरू हुई? (CSE-2014)

(a) मिस्र (ईज़िप्ट)

(b) लेबनॉन

(c) सीरिया

(d) ट्यूनीशिया

प्रश्न:9 . निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए : (CSE-2014)

1. डेनमार्क
2. जापान
3. रशियन फेडरेशन
4. यूनाइटेड किंगडम
5. यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

उपर्युक्त में से कौन-से 'आर्कटिक काउन्सिल' के सदस्य हैं?

(a) 1, 2 और 3

(b) 2, 3 और 4

(c) 1, 4 और 5

(d) 1, 3 और 5

प्रश्न:10. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए : (CSE-2014)

क्षेत्र जो प्रायः समाचारों में आता है		देश
1. चेचन्या	:	रशियन फेडरेशन
2. दारफुर	:	माली
3. स्वात घाटी	:	इराक़

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

VISION IAS

प्रश्न :11. 'पृथ्वी काल' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए (CSE-2014):

1. यह UNEP तथा UNESCO का उपक्रमण है।
2. यह एक आंदोलन है, जिसमें प्रतिभागी प्रतिवर्ष एक निश्चित दिन, एक घंटे के लिए बिजली बंद कर देते हैं।
3. यह जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी को बचाने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता लाने वाला आंदोलन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

प्रश्न :12. BRICS के रूप में ज्ञात देशों के एक समूह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : (CSE-2014)

1. BRICS का पहला शिखर सम्मेलन रिओ डी जेनेरिओ में 2009 में हुआ।
2. दक्षिण अफ्रीका BRICS समूह में अंत में शामिल हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

प्रश्न : 13. एमनेस्टी इंटरनेशनल क्या है? **(CSE-2015)**

(a) गृह युद्ध के शरणार्थियों की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी

(b) विश्वव्यापी मानव अधिकार आंदोलन

(c) अति निर्धन लोगों की मदद के लिए एक गैर सरकारी स्वैच्छिक संगठन

(d) युद्ध से विनष्ट हुए क्षेत्रों में चिकित्सा आकस्मिकताओं को पूरा करने के लिए एक अंतर-सरकारी एजेंसी

प्रश्न : 14. भारत निम्नलिखित में से किसका / किनका सदस्य है? **(CSE-2015)**

1. एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग संगठन (पैसिफिक इकोनोमिक कोऑपरेशन)
2. दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (एसोसिएशन ऑफ साउथ एशियन नेशंस)
3. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईस्ट एशिया समिट)

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 3

(c) 1, 2 और 3

(d) भारत इनमें से किसी का सदस्य नहीं है

VISION IAS

प्रश्न : 15. मेकांग - गंगा सहयोग में जो छः देशों की पहल है, निम्नलिखित में से कौन-सा/से देश प्रतिभागी **नहीं** है/हैं? **(CSE-2015)**

1. बांग्लादेश
2. कंबोडिया
3. चीन
4. म्यांमार
5. थाईलैंड

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1

(b) 2, 3 और 4

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 5

प्रश्न : 16. 'क्षेत्रीय सहयोग के लिए हिंद महासागर रिम संघ [इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन (IOR-ARC)] के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। **(CSE-2015)**

1. इसकी स्थापना हाल ही में डकैती की घटनाओं और तेल अधिप्लाव (आयल स्पिल्स) की घटनाओं के प्रतिक्रिया स्वरुप की गई है।
2. यह एक ऐसी मैत्री है जो केवल समुद्री सुरक्षा हेतु है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है ।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

प्रश्न : 17. प्रायः समाचारों में देखी जाने वाली 'बीजिंग घोषणा और कार्यवाही मंच (बीजिंग डिक्लेरेशन एंड प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन)' निम्नलिखित में से क्या है? **(CSE-2015)**

(a) क्षेत्रीय आतंकवाद से निपटने की एक कार्य नीति (स्ट्रेटजी), शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई कॉपरेशन ऑर्गनाइजेशन) की बैठक का एक परिणाम

(b) एशिया प्रशांत क्षेत्र में धारणीय आर्थिक समृद्धि की एक कार्य योजना, एशिया-प्रशांत आर्थिक मंच (एशिया पेसिफिक इकोनोमिक फोरम) के विचार विमर्श का एक परिणाम

(c) महिला सशक्तिकरण हेतु एक कार्य सूची, संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित विश्व सम्मेलन का एक परिणाम

(d) वन्यजीवों के दुर्व्यवहार ट्रैफिकिंग की रोकथाम हेतु कार्य नीति, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईस्ट एशिया समिट) की एक उद्घोषणा

VISION IAS

प्रश्न : 18. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए **(CSE-2015)**

1. चीन
2. फ़्रांस
3. भारत
4. इजरायल
5. पाकिस्तान

उपर्युक्त में से कौन-से, परमाणु शस्त्रों के अप्रसार विषयक संधि (ट्रीटी ऑन द नॉन प्रोलिफशन ऑफ न्यूक्लियर वेपंस) जिसे सामान्यतया परमाणु अप्रसार संधि (NPT) के नाम से जाना जाता है, की मान्यता के अनुसार, परमाणु शस्त्र संपन्न राष्ट्र (न्यूक्लियर वेपंस स्टेट्स) हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 3, 4 और 5
(c) केवल 2, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

प्रश्न : 19 .हाल ही में समाचारों में आई 'फोर्टालेजा उद्घोषणा (फोर्टालेजा डिक्लेरेशन)' निम्नलिखित में से किस के मामलों से संबंधित है ? **(CSE-2015)**

(a) ASEAN
(b) BRICS
(c) OECD
(d) WTO

प्रश्न : 20. निम्नलिखित में से किनका इबोला विषाणु के प्रकोप के लिए हाल ही में समाचारों में बार-बार उल्लेख हुआ?

(a) सीरिया और जॉर्डन
(b) गिनी, सिएरा लियोन और लाइबेरिया
(c) फिलीपींस और पापुआ न्यू गिनी
(d) जमैका, हैती और सूरीनाम

प्रश्न : 21. एग्रीमेंट ऑन एग्रीकल्चर **('Agreement on Agriculture)** एग्रीमेंट ऑन दी एप्लीकेशन ऑफ सेनेटरी एंड फाइटोसेनेटरी मेजर्स **(Agreement on the Application of Sanitary and Phytosanitary Measures)** और पीस क्लाज शब्द प्राय: समाचारों में किन मामलों के संदर्भ में आते हैं? **(CSE-2015)**

(a) खाद्य और कृषि संगठन
(b) जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का रूपरेखा सम्मेलन
(c) विश्व व्यापार संगठन
(d) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

VISION IAS

प्रश्न : 22. 'गोलन हाइट्स' के नाम से जाना जाने वाला क्षेत्र निम्नलिखित में से किस से संबंधित घटनाओं के संदर्भ में यदाकदा समाचारों में आता है? **(CSE-2015)**

(a) मध्य एशिया

(b) मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट)

(c) दक्षिण पूर्वी एशिया

(d) मध्य अफ्रीका

प्रश्न : 23. आमतौर पर समाचारों में आने वाला रियो +20 (Rio+20) सम्मेलन क्या है? **(CSE-2015)**

(a) यह एक धारणीय विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन है।

(b) यह विश्व व्यापार संगठन की मंत्री वर्गीय (मिनिस्टीरियल) बैठक है।

(c) यह जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (इंटर गवर्नमेंट पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज) का सम्मेलन है।

(d) यह जैव विविधता पर कन्वेंशन के सदस्य देशों का सम्मेलन है।

VISION IAS

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
CSE 2013
CSE 2014
GAURAV AGRAWAL
AIR-1
NIDHI GUPTA
AIR-3
VANDANA RAO
AIR-4
SUHARSHA BHAGAT
AIR-5
AIR-1
TINA DABI
AIR-4
ARTIKA SHUKLA
AIR-6
ASHISH TIWARI
AIR-5
SHASHANK TRIPATHI
AIR-9
KARN SATYARTHI
Interview Guidance Prog
Foundation Course
All India PRELIMS MAINS Test Series
PT 365: 1 year Current Affairs Prog